डाक पंजीयन नं. AD -326/2021-2023
website:www.aadhuniksamachar.com
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Download From
Adhunik Samachar
वर्ष -09 अंक -274, पृष्ठ- 8, (प्रयागराज , सोमवार, 15,जनवरी, 2024), मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी को राजनीतिक चश्मे से देख रहे शंकराचार्य- नारायण राणे

(आधुनिक समाचार सेवा)
पालघर। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने शनिवार को कहा कि शंकराचार्यों को राम मंदिर के कुछ पहलुओं की आलोचना करने के बजाय अपना आशीर्वाद देना चाहिए। उन्होंने शंकराचार्यों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को

राजनीतिक चश्मे से देखने का आरोप भी लगाया। राणे ने दावा किया कि ठाकरे गुट को अभी और अधिक झटका लगेगा क्योंकि उसके 16 में से आठ विधायक महाराष्ट्र में भाजपा नीत सत्तारूढ़ गठबंधन से संपर्क कर रहे हैं और वे जल्द ही इसमें शामिल हो जाएंगे। जून 2022 में तत्कालीन शिवसेना के ज्यादातर विधायकों के एकनाथ शिंदे के साथ चले जाने के बाद शिवसेना दो धड़ों में बंट गई और शिंदे भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने। राणे ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि समाज और हिंदू धर्म को लेकर शंकराचार्यों को अपना योगदान बताना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा- 'अब तक ऐसा कोई नहीं कर पाया। मोदी और भाजपा ने इस मुद्दे को उठाया और मंदिर बनाया जा रहा है। क्या उन्हें मंदिर को आशीर्वाद देना चाहिए या इसकी आलोचना करनी चाहिए? इसका मतलब है कि शंकराचार्य प्रधानमंत्री मोदी को राजनीतिक चश्मे से देखते हैं। यह मंदिर राजनीति के आधार पर नहीं, बल्कि धर्म के आधार पर बना है। राम हमारे भगवान हैं।' शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के इस बयान पर कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करना चाहिए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह किसी ऐसे व्यक्ति पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे जिसके पास कोई काम नहीं है और जो घर पर बैठा है।राणे ने दावा किया कि ठाकरे गुट को अभी और अधिक झटका लगेगा क्योंकि उसके 16 में से आठ विधायक महाराष्ट्र में भाजपा नीत सत्तारूढ़ गठबंधन से संपर्क कर रहे हैं और वे जल्द ही इसमें शामिल हो जाएंगे। जून 2022 में तत्कालीन शिवसेना के ज्यादातर विधायकों के एकनाथ शिंदे के साथ चले जाने के बाद शिवसेना दो धड़ों में बंट गई और शिंदे भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने।

बाल्टी और पोछा लेकर निकल पड़े पीएम मोदी, राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले लोगों से भी की खास अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। महाराष्ट्र दौरे पर गए पीएम मोदी ने आज कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम ने सबसे पहले नासिक में रोड शो निकालने के बाद कालाराम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद पीएम ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया।पीएम की एक फोटो काफी चर्चा का विषय बनी। दरअसल पीएम मोदी जब नासिक के कालाराम मंदिर गए तो वो भगवान के दर्शन करने के बाद वो बाल्टी और पोछा लेकर निकल पड़े। पीएम खुद मंदिर में पोछा लगाते दिखे। पीएम राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद लोगों से अपील की कि वो राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले विभिन्न मंदिरों में सफाई करें।पीएम की इस बीच एक फोटो काफी चर्चा का विषय बनी। दरअसल, पीएम मोदी जब नासिक के कालाराम मंदिर गए तो वो भगवान के दर्शन करने के बाद वो बाल्टी और पोछा लेकर निकल पड़े। पीएम खुद मंदिर में पोछा लगाते दिखे। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव वो राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले विभिन्न मंदिरों में सफाई अभियान चलाएं। पीएम ने कहा कि मंदिरों की सफाई के

का उद्घाटन करने के बाद लोगों से अपील की कि वो राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले विभिन्न मंदिरों में सफाई अभियान चलाएं। पीएम ने कहा कि मंदिरों की सफाई के साथ स्वच्छता का ध्यान हर जगह रखें।पीएम मोदी ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद लोगों से अपील की कि साथ स्वच्छता का ध्यान हर जगह रखें।पीएम मोदी ने इसके बाद नवी मुंबई में देश के सबसे लंबे समुद्री पुल अटल सेतु का उद्घाटन किया। मुंबई के सेवरी से रायगढ़ जिले के उरण तालुका में न्हावा शेवा में समाप्त होने वाले इस पुल से लोगों का 2 घंटे का सफर 15 मिनट में पूरा होगा।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के एतिहासिक पलों को कैद करेगा दूरदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अयोध्या। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के ऐतिहासिक पलों को कैद करने की और देश के आम से खास लोगों तक लाइव प्रसारण पहुंचाने की जिम्मेदारी दूरदर्शन ने उठाई है। जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम का लाइव कवरेज करने के लिए राम मंदिर परिसर सहित अयोध्या के विभिनन्‍ स्थानों पर दूरदर्शन द्वारा लगभग 40 कैमरे लगाए जाएंगे, जिसे अत्याधुनिक 4ख् तकनीक में प्रसारित किया जाएगा। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के ऐतिहासिक पलों को कैद करने की और देश के आम से खास लोगों तक लाइव प्रसारण पहुंचाने की जिम्मेदारी दूरदर्शन ने उठाई है। जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम का लाइव कवरेज करने के लिए राम मंदिर परिसर सहित अयोध्या के विभिनन्‍ स्थानों पर दूरदर्शन द्वारा लगभग 40 कैमरे लगाए जाएंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 8 दिनों में असम के 17 जिलों को कवर करेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
गुवाहाटी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 8 दिनों में असम के 17 जिलों को कवर करेगी। यह 18 जनवरी को शिवसागर से शुरू होगी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी सार्वजनिक बैठकों, शिवसागर में अमगुरी और जोरहाट जिले के मरियानी में गिब्बन वन क्षेत्र को संबोधित करते, लेकिन अब पहले दिन अमगुरी और मारियानी में दो रोड शो आयोजित किए जाएंगे और उनका दल रात को जोरहाट

प्रस्तावित मार्ग के अनुसार, यात्रा अंतरराज्यीय सीमा पर हलुआटिंग में पड़ोसी नागालैंड से राज्य में प्रवेश करेगी। यह यात्रा असम के 17 जिलों और 833 किमी की दूरी तय करेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का असम चरण 18 जनवरी को शिवसागर से शुरू होकर आठ दिनों तक चलेगा। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी प्रस्तावित मार्ग वेफ अनुसार यात्रा अंतरराज्यीय सीमा पर हलुआटिंग में पड़ोसी नागालैंड से राज्य में प्रवेश करेगी। पहले दिन अमगुरी और मारियानी में दो रोड शो आयोजित किए जाएंगे और उनका दल रात को जोरहाट में रुकेगा। बता दें कि पहले राहुल गांधी दो में रुकेगा। यह यात्रा ब्रह्मपुत्र नदी पर नौका द्वारा निमतीघाट से अफलाघाट तक सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली तक जाएगी। इसके बाद गांधी जेंगरायमुख और धौकुखान के साथ-साथ प्रसिद्ध कमलाबाड़ी और औनाती सत्र (वैष्णव मठ) तक एक रोड शो का नेतृत्व करेंगे। कांग्रेस नेता और उनका दल धेमाजी जिले के गोगामुख में रात को यहां आराम करेंगे। 20 जनवरी को, यात्रा लखीमपुर के लिए आगे बढ़ेगी जहां पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने से पहले लखीमपुर शहर, लालुक, हरमती और नोबोइचा में एक रोड शो आयोजित किया जाएगा। यहां वह रात के लिए रुकेंगे।

यूएनएससी में भारत की स्थाई सदस्यता की वकालत, बेल्जियम के पूर्व प्रधानमंत्री ने मोदी को लेकर कही बड़ी बात

(आधुनिक समाचार सेवा)
कोलकाता। बेल्जियम के पूर्व प्रधानमंत्री यवेस लेटरमे ने यूएनएससी में भारत को स्थायी रूप से शामिल करने की पुरजोर वकालत की है। लेटरमे ने कहा अधिकार पाए हैं। पीटीआई के साथ एक साक्षात्कार में, लेटरमे ने नई कनेक्टिविटी पहल, भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह चीन के बेल्ट

कि इस तरह के कदम से परिषद की साख और बढ़ेगी। लेटरमे ने तर्क दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को 21वीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप ढलने की आवश्यकता है, क्योंकि इसमें ऐसे प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है जो 20वीं सदी में स्थापित संरचनाओं से परे हो लेटरमे ने इसी के साथ पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि मोदी ने भारत के भू-राजनीतिक कद को ऊंचा करने का काम किया है और भारत ने उनके नेतृत्व में कई एंड रोड पहल (बीआरआई) का पूरक बनने की क्षमता रखता है। बेल्जियम के पूर्व प्रधानमंत्री यवेस लेटरमे ने भारत को यूएनएससी में स्थायी रूप से शामिल करने की वकालत की है। लेटरमे ने तर्क दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को 21वीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप ढलने की आवश्यकता है क्योंकि इसमें ऐसे प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है जो 20वीं सदी में स्थापित संरचनाओं से परे हो।

केंद्रीय मंत्री निसिथ प्रमाणिक को मिली सुप्रीम राहत, हत्या के प्रयास मामले में दंडात्मक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक को शुक्रवार को बड़ी राहत दी। शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल पुलिस को 2018 के हत्या के प्रयास के एक मामले में निसिथ प्रमाणिक के पुलिस को 2018 के हत्या के प्रयास के एक मामले में निसिथ प्रमाणिक के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने

खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया।सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक को शुक्रवार को बड़ी राहत दी। शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल वाली उनकी याचिका को सूचीबद्ध किया।न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कलकत्ता हाई कोर्ट की जलपाईगुड़ी सर्किट पीठ के चार जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को सूचीबद्ध किया। दरअसल, हाई कोर्ट ने निसिथ प्रमाणिक को अग्रिम जमानत देने से इनकार किया था।निसिथ प्रमाणिक के खिलाफ 2018 में पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के दिनहाटा पुलिस स्टेशन में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था, जब भीड़ ने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गोलीबारी की थी। इस दौरान कथिततौर पर एक व्यक्ति को गोली लगी थी और वह घायल हो गया था।निसिथ प्रमाणिक, जो पहले तृणमूल कांग्रेस में थे, ने फरवरी 2019 में भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा था। बता दें कि निसिथ प्रमाणिक ने हिंसा भड़काने के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने कूचबिहार से भाजपा की टिकट पर अपनी किस्मत आजमाई थी और उन्हें सफलता भी मिली।

देश में फिर डरा रहे कोरोना के कुल मामलों की संख्या 1000 के पार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट जेएन.1 अब रफ्तार पकड़ रहा है। शुक्रवार को दर्ज हुए ताजा मामलों के बाद देश में कुल

मरीजों की संख्या 1000 के पार हो गया। अब तक 16 से अधिक राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों में जेएन.1 के मामले दर्ज हो चुके हैं।देश में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट जेएन.1 अब रफ्तार पकड़ रहा है। शुक्रवार को दर्ज हुए ताजा मामले के बाद देश में कुल मामलों की संख्या 1000 के पार हो गया। अब तक 16 से अधिक राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों में जेएन.1 के मामले दर्ज हो चुके हैं। कर्नाटक में सबसे अधिक 214 मामले दर्ज हुए हैं। जीनोमिक्स कंसोर्टियम (घ्र्ण्‍ध्द्ध) द्वारा के आंकड़ों के मुताबिक, कर्नाटक में सबसे अधिक 214 मामले दर्ज हुए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 170, केरल में 154, आंध्र प्रदेश में 189, गुजरात में 76 और गोवा में 66 मामले सामने आए हैं।वहीं, तेलंगाना और राजस्थान में 32-32 जेएन.1 के मामले मिले हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 25, तमिलनाडु में 22, दिल्ली में 16, उत्तर प्रदेश में 6, हरियाणा में पांच, ओडिशा में तीन, पश्चिम बंगाल में दो और उत्तराखंड में एक मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि अब तक 16 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जेएन.1 के कुल 1,013 मरीज मिले हैं।देश में नए मामलों में वृद्धि को देखते हुए सभी राज्यों को लगातार निगरानी बनाए रखने के लिए कहा गया है।

15 मिनट में 2 घंटे का सफर, समुद्र पर बने देश के सबसे लंबे पुल का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार यानी आज देश के सबसे लंबे पुल का उद्घाटन कर इसे जनता को सौंप दिया है। इस 22 किलोमीटर लंबे पुल के जरिए महज 15 मिनट में मुंबई से नवी मुंबई की दूरी तय की जा सकेगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे पुल अटल सेतु का लोकार्पण कर दिया है। मालूम हो कि पीएम मोदी ने दिसंबर 2016 में इस पुल की आधारशिला रखी थी। दरअसल भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर इसका नाम अटल सेतु

रखा गया है। यह ब्रिज मुंबई से नवी मुंबई को आपस में जोड़ेगा जिससे सफर 15 मिनट में पूरा कर लिया जाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे पुल 'अटल सेतु' का लोकार्पण किया। मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक को 'अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु' नाम दिया गया है। मालूम हो कि पीएम मोदी ने दिसंबर 2016 में इस पुल की आधारशिला रखी थी। दरअसल, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर इसका नाम अटल सेतु रखा गया है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर एण्ड सेफ्टी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन इंजिनियर, सिस्टम सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा
उत्तर प्रदेश
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

माघ मेला के प्रमुख स्नान पर्व पर 75 स्पेशल ट्रेन चलाएगा रेलवे, पहली बार कलर कोड स्टीकर का होगा इस्तेमाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज ।माघ मेले के मद्देनजर उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने ट्रेनों की समय सारिणी जारी की है। सबसे ज्यादा ट्रेन मौनी अमावस्या के दिन चलाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही भीड़ देखकर

ट्रेन चलाने की तैयारी भी की गई है, इससे यात्रियों को आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा माघ मेले के मौके पर इस बार 75 स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने की तैयारी की गई है। इस दौरान सर्वाधिक 20 स्पेशल ट्रेन माघ मेले के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या के मौके पर चलाई जाएंगी। वहीं बसंत पंचमी पर 15 एवं अन्य चार स्नान प व पर दस-दस मेला स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था रेलवे द्वारा की गई है। इन सभी ट्रेनों का संचालन यात्रियों की भीड़ के हिसाब से होगा। अगर यात्रियों की संख्या बढ़ती है तो स्पेशल ट्रेनें बढ़ाई भी जा सकती हैं।मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में माघ मेले की तैयारियों को लेकर डीआरएम हिमांशु बडोनी ने बताया कि माघ मेले में प्रयोग के तौर पर यात्रियों को टिकट के साथ-साथ यात्री आश्रयों के रंग के अनुरूप दिशावर अलग-अलग रंग के स्टिकर भी टिकट पर लगाकर दिए जाएगे। साथ ही दिल्ली मेट्रो की तर्ज पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेट्रो रिफ्लेक्टिव एरो मार्क्स भी लगाए जाएंगे। इससे यात्री स्टेशन पर प्रवेश करने के बाद कलर कोड के हिसाब से रूट वार ट्रेनों के लिए चिह्नित किए गए प्लेटफार्म पर पहुंच जाएंगे।इसके अलावा रेलवे ने मेला प्रशासन से समन्वय बनाने के लिए प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मेला कंट्रोल रूम की स्थापना की है। इस दौरान एडीआरएम संजय सिंह, सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला और सीनियर डीओएम श्रीकृष्ण शुक्ला ने भी विभागीय तैयारियों का ब्यौरा पेश किया। एडीआरएम संजय सिंह ने बताया कि मौनी अमावस्या पर प्रयागराज संगम को बंद रखा जाएगा। ऐसे में यात्रियों को अमावस्या के दिन प्रयाग स्टेशन जाकर ट्रेनें पकड़नी होंगी।रेलवे स्टेशन के सभी प्रवेश द्वार पर स्कैनिंग व जांच के बाद ही स्टेशन पर मिलेगी प्रवेश की अनुमति।लीडर रोड साइड में यात्री आश्रय स्थल के बाहर रहेंगे आठ अनारक्षित टिकट काउंटर।यात्रियों की सुविधा के लिए आठ ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की रहेगी सुविधास्नान पर्व के दौरान सिटी साइड से प्रवेश और निकास होगा सिविल लाइंस साइड से ।जंक्शन के सिविल लाइंस साइड में तीसरे मार्ग और सातवें मार्ग से होगा निकास।जंक्शन के सभी चार फुट ओवर ब्रिज पर दिशावार होगा यात्रियों का मूवमेंट।स्नान पर्व के दिन ट्रेन आने के 30 मिनट पहले ही आरक्षित यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने की मिलेगी अनुमति।

हाईकोर्ट का आदेश - 12091 चयनित शिक्षकों की नियुक्ति के लिए काउंसलिंग कराए यूपी सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने विनय कुमार पांडेय, राम प्रसाद विश्वकर्मा समेत कुल 30 याचिकाओं को एक साथ निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया है। याची की दलीलों के मुताबिक, उनका चयन 2011 में हो चुका है, लेकिन बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से इन्हें नियुक्ति पत्र आवंटित नहीं किया गया।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2011 में 72,825 प्रशिक्षु शिक्षकों की भर्ती में चयनित 12,091 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए काउंसलिंग कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने बेसिक शिक्षा परिषद को कहा है कि वह सभी जिलों में 22 से 25 जनवरी के बीच विज्ञापन निकाले और पांच फरवरी के आसपास वाले सप्ताह में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करे।न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने विनय कुमार पांडेय, राम प्रसाद विश्वकर्मा समेत कुल 30 याचिकाओं को एक साथ निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया है। याची की दलीलों के मुताबिक, उनका चयन 2011 में हो चुका है, लेकिन बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से इन्हें नियुक्ति पत्र आवंटित नहीं किया गया। याचियों ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली, जहां से मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया।हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए बेसिक शिक्षा परिषद से जवाब मांगा था। परिषद ने कहा कि याचीगण काउंसिल में उपस्थित नहीं हुए और इनके कॅटऑफ अंक भी ऊपर नहीं आए। याचियों की ओर से अधिवक्ता आरके ओझा, अशोक खरे, अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी, इंद्रेश दुबे आदि की ओर से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट में परिषद ने नियुक्ति योग्य चयनित शिक्षकों की जो सूची प्रस्तुत की थी, उसमें कॅटऑफ अंक की कोई शर्त नहीं थी। बेसिक शिक्षा परिषद इस पर कोई ठोस जवाब नहीं दे सकी।हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद नौ जनवरी को फैसला सुरक्षित कर लिया था। शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने 22 जनवरी से 25 जनवरी 2024 के बीच विज्ञापन निकालकर पांच फरवरी के आसपास कोई निश्चित तिथि तय कर काउंसलिंग कराने का आदेश दिया।कोर्ट ने याचियों को इस आशय का हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है कि वह पूर्व की काउंसलिंग में हाजिर नहीं हुए थे। चयनित अभ्यर्थियों को काउंसलिंग फीस के बतौर बेसिक शिक्षा परिषद के समक्ष दो हजार रुपये भी जमा कराने के लिए कहा गया है।हाईकोर्ट ने कबीरदास के दोहे का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरू का दर्जा भगवान से भी ऊपर है। याचीगण शिक्षक (गुरू) बनने की श्रेणी में हैं। वह बहुत सम्मानजक पेशे से जुड़ रहे हैं। कोर्ट ने इनकी ओर से दाखिल हलफनामे को इसी गंभीरता के साथ देखा है।

सीएम योगी ने 1150 महिलाओं को दिए मुफ्त सिलाई मशीन, बोले- आत्मनिर्भर बनाना सबसे जरूरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं को स्वावलंबन का उपहार दिया। उन्होंने शनिवार को महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज सिविल लाइंस के परिसर में सुबह आयोजित समारोह में 1150 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन का वितरण किया।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 1150 महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित किए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

कहा कि हम सभी जानते हैं कि देश की आधी आबादी (महिलाओं) को सशक्त किए बिना हम भारत को 'सशक्त' और 'समर्थ' नहीं बना सकते। इसके लिए हमें उन्हें एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना होगा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं को स्वावलंबन का उपहार दिया। उन्होंने शनिवार को महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज सिविल लाइंस के परिसर में सुबह आयोजित समारोह में 1150 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन का वितरण किया।

आधुनिक समाचार परिवार ने लोंहडी त्योहार को हर्षोल्लाह के साथ मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। आधुनिक समाचार परिवार ने अपने समस्त परिवार के साथ लोहडी को हर्षोल्लाह के सथ मनाया और सभी क्षेत्रवासियों लोहडी और मकरसंक्रान्ति की ढेड सारी शुभकामनांये एवं बधाईयॉ दी जिसमे आधुनिक समाचार के संस्थापक श्री महेन्द्र अरोरा और संपादक श्री दीपक आरोरा, श्री राजेश अरोरा, पुनित अरोरा, मो अली अफजल, इम्तियाज अली, अजय गुप्ता, मो साकिब, सचिन, श्रेया अरोरा, श्रीस्टी अरोरा, मानवीय अरोरा, आकाश केशरवानी, अजय गोस्वामी, राजेश कुमार, सुरेन्द्र यादव, आशुतोष यादव और भी सदस्य मौजुद थे।

'राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के समय संतों पर हमला पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार के फेल होने का सुबूत'

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज ।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कहना है कि पश्चिम बंगाल अराजकता की आग में झुलस रहा है। पश्चिम बंगाल सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह फेल हो चुकी है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की सरकार सभी मोर्चों पर फेल हो चुकी है। वहां अराजकता का माहौल है। बीते दिनों प्रवर्तन निदेशालय की टीम के अफसरों पर हमला हुआ था और अब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के समय साधु-संतों पर हमला हुआ है। दोनों ही घटनाओं में टीएमसी के गुंडे शामिल हैं। आने वाले समय में पश्चिम बंगाल की जनता टीएमसी को उखाड़ फेंकेगी।पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में भीड़ द्वारा साधुओं की पिटाई करने से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिस पर भाजपा ने पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला बोला है। वीडियो में साधुओं के एक समूह को भीड़ द्वारा निर्वस्त्र कर उन्हें पीटते हुए देखा गया है। घटना पर पुरुलिया के एसपी ने कहा, 'तीन साधु वाहन से जा रहे थे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
★C.O.P.A. ★Electrician ★Fire Safety & Industrial Security ★Computer Hardware & Maintenance
★Fitter ★Computer Application ★Welding Technology
★Security Service ★Repair of Refrigerator & A.C. ★Computer Teacher Training ★Certificate in YOGA
★Electric Technician
Message
नन्दी गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
स्टाम्प न्यायालय शुल्क, पंजीयन
एवं नागरिक उड्डयन विभाग
उत्तर प्रदेश
मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपकी संस्था "नैनी आद्यौगिक प्रशिक्षण केन्द्र" द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी "प्रवेश विवर्जिका" नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका छात्र / छात्राओं में चेतना, सृजनात्मक शक्ति, बौद्धिक क्षमता एवं उनकी वैचारिक एवं मानसिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने मे अवश्य सार्थक सिद्ध होगी।
संस्था द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका " प्रवेश विवर्जिका" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं!
भवदीय
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
Nand Goapal Gupta
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

राजघाट पुल पर कल से नहीं चलेगा वाहन, गंगा स्नान व बाबा विश्वनाथ दर्शन को उमड़ेगी भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)

बनारस। काशीवासियों के लिए जरूरी खबर है। मकर संक्रांति पर गंगा स्नान व काशी विश्वनाथ मंदिर में होने वाली भक्तों की भीड़ को देखते हुए रूट डायवर्ट किए गए हैं। ऐसे में रविवार की सुबह चार बजे से सोमवार की रात 10 बजे तक रूट डायवर्जन प्लान लागू रहेगा। मकर संक्रांति पर रविवार और सोमवार को गंगा स्नान और बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के लिए शहर में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ेगा। एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय ने कहा कि मकर संक्रांति पर रविवार की सुबह चार बजे से सोमवार की रात 10 बजे तक रूट डायवर्जन प्लान लागू रहेगा। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया है कि रूट डायवर्जन प्लान का पालन कर यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने में सहयोग करें।बैंक ऑफ बड़ौदा तिराहे से अस्सी के तरफ कोई तीन-चार पहिया वाहन नहीं जाएगा। वाहनों को रवींद्रपुरी की तरफ डायवर्ट कर सड़क के किनारे खड़ा कराया जाएगा।अग्रवाल तिराहा, शिवाला से अस्सी की ओर वाहन नहीं जाएंगे। वाहनों को ब्राडवे होटल की तरफ डायवर्ट कर बाबा कीनाराम आश्रम के सामने खड़ा कराया जाएगा। ब्राडवे होटल तिराहा से वाहन अग्रवाल तिराहा की ओर नहीं जाएंगे।भेलूपुर चौराहा से तीन-चार पहिया वाहन सोनारपुरा की तरफ नहीं जाएंगे। वाहनों को विजया तिराहा के तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा। ऐसे ही भेलूपुर चौराहा से रामापुरा चौराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। वाहनों को विजया तिराहा की तरफ डायवर्ट कर दिया

जाएगा। थाना भेलूपुर के सामने से हल्के व दो पहिया वाहन रेवड़ी तालाब होते हुये जयनारायण इंटर कॉलेज तक आएंगें और मैदान में खड़े होंगे।सोनारपुरा चौराहा से तीन-चार पहिया वाहनों को गोदौलिया की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को भेलूपुर की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा।गुरुबाग तिराहा से तीन-चार पहिया वाहनों को लक्सा होकर रामापुरा चौराहा की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। वाहनों को नीमामाई व कमच्छा की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा।लक्सा तिराहा से तीन-चार पहिया वाहनों को रामापुरा चौराहा की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। वाहनों को गुरुबाग तिराहा की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा।रामापुरा चौराहा से गोदौलिया की तरफ किसी दशा में चार पहिया वाहन नहीं जाएंगे। वाहनों को लक्सा और बेनिया तिराहा की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा।गोदौलिया चौराहा से किसी भी प्रकार के वाहन को किसी भी दशा में मैदागिन और दशाश्वमेध घाट की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को रामापुरा और सोनारपुरा की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा।बेनिया तिराहे से किसी भी तीन-चार पहिया वाहनों को रामापुरा की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। वाहनों में से चार पहिया प्राइवेट वाहनों को बेनिया पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। तीन पहिया वाहन को पियरी की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा।लहुराबीर चौराहा से तीन-चार पहिया वाहनों को बेनिया की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। वाहनों को मलदहिया चौराहा और काशिका तिराहा की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा।मैदागिन चौराहे से किसी भी प्रकार के वाहन को थाना चौक होते हुए गोदौलिया की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा।मच्छोदरी की तरफ से आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को विशेश्वरगंज तिराहा से आगे नही जाने दिया जाएगा। वाहनों को गोलगड्डा तिराहा की तरफ डायवर्ट कर दियाजाएगा।भदऊं चुंगी से भैसासुर घाट की तरफ किसी भी प्रकार के वाहनों को नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को रेलवे कॉलोनी के मैदान में खड़ा कराया जाएगा।

मिट्टी खुदाई के दौरान अचानक भरभराकर गिरी दीवार, मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत; दो घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

भदोही। मजदूर गिरधरपुर में मिट्टी की खुदाई कर रहे थे। इसी दौरान एक कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर एक मजदूर की जान चली गई। जबकि दो लोग घायल हो गए।

भदोही के कोतवाली क्षेत्र के गिरधरपुर गांव में शनिवार की सुबह काम कर रहे मजदूरों के ऊपर एक कच्ची दीवार गिर गई। जिसके मलबे में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।जानकारी के अनुसार कोतवाली के गिरधरपुर गांव में एक दर्जन मजदूर मिट्टी की खुदाई के कार्य में लगे थे। बताया जा रहा है कि जहां मिट्टी की खुदाई चल रही थी, वहीं पर लगभग नौ फीट ऊंची एक पुरानी कच्ची दीवार थी। खुदाई के दौरान अचानक दीवार भरभराकर गिर गई। इस दौरान तीन से चार की संख्या में मजदूर दीवार के नीचे दब गए। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने आनन-फानन दीवार के मलबे को हटाया और नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकाला।इस दौरान चकटोडर मुसहर बस्ती निवासी कत्तलू बनवासी (35) की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। दूसरी तरफ मजदूर की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पांच बच्चे हैं। जिसमें तीन बेटियां और दो बेटे हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उज्जवल उन्नति फाउंडेशन की संस्थापक दीपा देवी को सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। पर्वतीय प्रवासी जन कल्याण समिति के द्वारा इंदिरापुरम ग़ाज़ियाबाद में आयोजित उत्तराखंड का पारम्परिक त्योहार कौथिग 2024 का आयोजन किया गया। इसके दौरान एन सी आर क्षेत्र में उच्चतम कार्य कर रहे समाज सेवकों को प्रोत्साहित किया गया। समाज में जो संस्थाएं समाज के विकास के लिए काम करते हैं। उन्हें सम्मानित भी किया गया। इसी कड़ी में उज्जवल उननति फ़ाउंडेशन की संस्थापक दीपा देवी को उनके

सवीच्च कार्य के लिए मोमेंटो देकर प्रोत्साहित किया गया। उज्जवल उननति फाउंडेशन एन सी आर में समाज के गरीब मजदूर के बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा के लिए एवं बूढ़ों को दवा,राशन एवं पेंशन की सुविधा दिलाने में अहम भूमिका निभाती है।समाज के विकास के लिए अनवरत प्रयास रत रहती है।

14 जनवरी से तीन दिनों के लिए भारी वाहनों की जिले में नो इंट्री, आज रात से लागू होगा प्रतिबंध

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । माघ मेले के मद्देनजर मकर संक्रांति स्नान पर्व को देखते हुए जिले में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नो एंट्री 13 जनवरी की रात से ही शुरू हो जाएगी। पासधारक वाहनों को भी शहर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। हर स्नान पर्व पर यह व्यवस्था लागू की जाएगी। मकर संक्रांति के मद्देनजर जनपद में 14 से 16 जनवरी तक भारी वाहनों के लिए नो इंट्री लागू रहेगी। यह प्रतिबंध 14 जनवरी को प्रातः दो

बजे से 16 जनवरी तक लागू रहेगा। यह आदेश पासधारक वाहनों पर भी लागू होगा।जनपदीय सीमा के अंदर नो इंट्री प्वाइंटों से भारी / कॉमिर्शियल वाहनों को शहर क्षेत्र की ओर प्रवेश करने नहीं दिया जाएगाइनमें मलाक हरहर तिराहा, मंदर मोड़ धूमनगंज, सहसों चौराहा, ट्रांसपोर्ट नगर तिराहा, हबूसा मोड़, रामपुर चौराहा, सोरांव बाईपास, घूरपुर थाना गेट, नवाबगंज बाईपास, लेप्रोसी तिराहा, फाफामऊ, अंदावा चौराहा नो इंट्री प्वाइंटर शामिल हैं। भारी / कॉमिर्शियल वाहनों के लिए अंतरजनपदीय डायवर्जन निम्न होगा।कानपुर नगर की ओर से आने वाले वाहन कोखराज जनपद कौशाम्बी से बने बाईपास पर मोड़ दिए जाएंगे जो बाईपास से सीधे हंडिया होते हुए वाराणसी की ओर जाएंगे।वाराणसी की ओर से आकर कानपुर की ओर जाने वाला यातायात हंडिया बाईपास रोड होते हुए कोखराज से कानपुर की ओर जाएंगेजनपद फतेहपुर स्थित चौडगरा चौराहा से बिंदकी से बंधवा तिराहा ललौली से चिल्ला होते हुए बांदा की ओर भेजे जाएंगे और वापसी का रास्ता भी यही होगा।जनपद फतेहपुर स्थित चौडगरा से बिन्दकी से बंधवा तिराहा ललौली से चिल्ला से बांदा की ओर वाहन जाएंगे। वहां से कर्वी, मऊ, शंकरगढ़ से नारीबारी, खीरी, कोरांव, मांडा से दाहिने मुड़कर मिर्जापुर की ओर जाएंगे और वापसी भी इसी मार्ग से होगी।घाटमपुर, हमीरपुर रोड बांदा, कर्वी, शंकरगढ़ से नारीबारी से दाहिने मुड़कर रीवां जाएंगे। इसी मार्ग से वापसी भी करेंगे।कोखराज बाईपास मार्ग पर मुड़कर सीधे हंडिया से औराई से दाहिने मुड़कर चिल्हा होते हुए मिर्जापुर जाएंगे।रीवा (मध्य प्रदेश) के थाना मनगवां से हनुमना होते हुए मिर्जापुर एवं वहां से वाराणसी भेजे जाएंगे और वापसी का मार्ग भी यही होगा।रीवा से नारीबारी से बांए मुड़कर शंकरगढ़, मऊ, कर्वी, बांदा से चिल्ला पुल पार कर बिन्दकी फतेहपुर असनी पुल पारकर लालगंज, रायबरेली से लखनऊ की ओर और वापसी भी इसी मार्ग से होगी।ऐसे भारी वाहन जो रायबरेली से प्रयागराज होकर वाराणसी की ओर जाना चाहते हैं उन्हें रायबरेली से लालगंज (प्रतापगढ़) भोपिया मऊ, बौराहा रानीगंज, मुंगरा बादशाहपुर जौनपुर होते हुए वाराणसी भेजा जाएगा।

श्रीराम सर्किट से जुड़ेगा आजमगढ़, चित्रकूट और वाराणसी एयरपोर्ट; अगले महीने शुरू होगी पहली उड़ान

(आधुनिक समाचार सेवा)

अयोध्या । अगले महीने से आजमगढ़ और चित्रकूट के बीच पहली विमान सेवा शुरू होगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए हवाई सेवा बेहतर बनाई जा रही है।आजमगढ़ और चित्रकूट एयरपोर्ट को डीजीसीए से अनुमति मिलने के बाद पहली उड़ान अगले माह से शुरू होगी। इससे दोनों जिलों के बीच सीधा जुड़ाव होगा। पहली उड़ान सेवा के साथ ही दोनों जिले हवाई मार्ग के जरिये श्रीराम सर्किट जुड़ जाएंगे।अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ेगी। इसे देखते हुए ही हवाई सेवा बेहतर बनाई जा रही है। वाराणसी, चित्रकूट, अयोध्या और आजमगढ़ एयरपोर्ट को एक दूसरे से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में बाबतपुर एयरपोर्ट की ऑपरेशन और तकनीकी टीम ने आजमगढ़ के मंदुरई एयरपोर्ट का दौरा किया। यह टीम पहली उड़ान की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है। पहली उड़ान सेवा चित्रकूट की शुरू होगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय महानिदेशक (डीजीसीए) ने 15 दिसंबर को आजमगढ़ एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस जारी कर चुका है। वहीं, चित्रकूट एयरपोर्ट को तीन दिन पूर्व नौ जनवरी को एयरोड्रम लाइसेंस जारी कर दिया गया। डीजीसीए की अनुमति के बाद विमानन कंपनियों की ओर से दोनों एयरपोर्ट

के बीच सर्वे भी कराया जा रहा है।बाबतपुर एयरपोर्ट सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य गोकुल शर्मा ने बताया कि चित्रकूट, आजमगढ़ और वाराणसी के बीच विमान सेवा शुरू होने से तीर्थ यात्रियों को कई विकल्प मिलेंगे। टूरिज्म वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप राय ने बताया कि हवाई मार्ग से श्रीराम सर्किट जुड़ रहा है।चित्रकूट एयरपोर्ट को भी डीजीसीए से लाइसेंस मिल चुका है। दिन में ही विमान सेवाएं संचालित होंगी। आजमगढ़ एयरपोर्ट को भी लाइसेंस प्राप्त है। विमान सेवा परिचालन की तिथि जल्द घोषित होगी।

शुक्रवार की रात रही इस साल की सबसे ठंड रात, पारा 7.6 डिग्री तक लुढ़का

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । शुक्रवार की रात इस साल की सबसे ठंड रात रही। पारा 7.6 डिग्री लुढ़क जाने के कारण लोग रजाई में भी ठिठुरते रहे। चारों तरफ कोहरे की चादर दिखी और

दृश्यता शून्य हो गई। शनिवार को सुबह की शुरुआत तो घने कोहरे से ही हुई लेकिन सुबह 10 बजे के करीब भगवान सूर्य के दर्शन हो गए, लेकिन गलन और शीतलहर का प्रकोप जारी रहा। पहाड़ों पर हो रही भारी बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में दिख रहा है। शुक्रवार की रात साल की सबसे ठंड रात रही। पारा 7.6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। दिन का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में फिलहाल लोगों को राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। शुक्रवार की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। दिन में 11 बजे के बाद हल्की धूप निकली। लेकिन लोगों को गलन से राहत नहीं मिली। शाम पांच बजे से ही कोहरे ने फिर दस्तक देनी शुरू कर दी। रात आठ बजे पूरे शहर में घना कोहरा छा गया। बच्चों और बुजुर्गों को गलन से सबसे अधिक दिक्कत उठानी पड़ी। मौसम विज्ञानी प्रो. एचएन मिश्रा ने बताया कि पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के कारण यहां गलन बढ़ी है। 15 जनवरी तक मौसम का मिजाज ऐसे ही रहने की संभावना है।भीषण गलन, कोहरा और सर्दी को देखते हुए कक्षा आठ तक के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। शुक्रवार की शाम बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक सभी माध्यम के मान्यता प्राप्त विद्यालयों में सर्दी को देखते हुए शनिवार को अवकाश घोषित किया गया है। विद्यालयों के प्रबंधतंत्र को निर्देश दिया गया है कि वह आदेश का कड़ाई से पालन करें।शनिवार को सुबह धूप जरूर निकली, लेकिन ठंड से लोगों को राहत नहीं मिली। सुबह की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई।

आज महिला मोर्चा जिला यमुनापार प्रयागराज की संगठनात्मक बैठक नैनी प्रयागराज में संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । बैठक में नवनियुक्त प्रभारी महिला मोर्चा श्री मनोज गुप्ता ने तीसरी बार

मोदी सरकार बनाने के लिए नारी शक्तियों को एकजुट होने का आवाहन किया !बैठक की अध्यक्षता जिला यमुनापार महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती सविता मिश्रा जी ने किया !बैठक की संचालन श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव जी ने किया ।

45 संवेदनशील स्थलों पर तैनात होंगी 112 की गाड़ियां, एडीजी ने लिया जायजा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । माघ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए डायल 112 की भी सहायता ली जाएगी। पीआरवी के कुल 45 वाहनों पर सवार जवान शिफ्टवार ड्यूटी पर मुस्तैद रहेंगे। जो एक कॉल पर श्रद्धालु की मदद के लिए मौके पर पहुंचेंगे।माघ मेले में आपातकालीन स्थिति में श्रद्धालुओं व स्नानार्थियों तक एक कॉल पर सहायता पहुंचेगी। इसके लिए 45 संवेदनशील स्थानों पर 112 की गाड़ियां तैनात रहेगी। बेहतर समन्यवय के लिए मेला क्षेत्र में ही 112 का कंट्रोल रूम भी बनेगा। एडीजी 112 नीरा रावत ने शुक्रवार को मेला क्षेत्र में पहुंचकर तैयारियों का जायजा भी लियामाघ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए डायल 112 की भी सहायता ली जाएगी। पीआरवी के कुल 45 वाहनों पर सवार जवान शिफ्टवार ड्यूटी पर मुस्तैद रहेंगे। जो एक कॉल पर श्रद्धालु की मदद के लिए मौके पर पहुंचेंगे। इनमें 20 चारपहिया व 25 दोपहिया वाहन शामिल हैं। सेवा को बेहतर बनाने के लिए माघ मेला क्षेत्र में ही डायल 112 का अस्थायी कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है। यह कंट्रोल रूम माघ मेला के कोतवाली थाना परिसर

में बनाया जा रहा है।डायल 112 की एडीजी नीरा रावत ने शुक्रवार को मेला क्षेत्र में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने पीआरवी के लिए चिह्नित स्पॉट देखने के साथ ही पीआरवी जवानों संग बैठक की। कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा कर माघ मेले को सफल बनाएं। ताकि देश विदेश से आने वाले तीर्थयात्री उप्र पुलिस की अच्छी यादों को अपने साथ लेकर जाएं। पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने कहा कि सभी पुलिसकर्मी तीर्थ यात्रियों के साथ मित्रवत व्यवहार करें। इस मौके पर डीआईजी/एसएसपी माघ मेला राजीव नारायण मिश्र, डायल 112 डीआईजी एसपी सिंह, पुलिस अधीक्षक दिनेश त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।मेला क्षेत्र में भ्रमण के दौरान एडीजी-112 ने बताया कि माघ मेले में देश के कोने-कोने से आने वाले तीर्थ यात्रियों के यूपी-112 से मदद लेने में भाषा बाधा नहीं बनेगी। मोबाइल एप के माध्यम से मदद मांगने वाले की भाषा का हिंदी में अनुवाद कर पीआरवी के जवान उन्हें तत्काल सहायता देंगे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
N.C.V.T. D.G.E.T से मान्यता प्राप्त
फिटर
आसान किस्तों में फीस जमा करने की सुविधा
COPA
छात्रवृत्ति की सुविधा
100% प्लेसमेंट की गारंटी
अप्रेन्टिशिप की सुविधा
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

सन्दिग्ध परिस्थित मे कुए मे डुब कर हुई युवक कि मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र । पांच दिनों से गायब युवक का कुएं में मिला शव, इलाके

में मची सनसनी।मृतक के परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप।घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने शव को सड़क पर रख लगाया जाम।संबंधित आरोपियों के गिरफ्तारी की उठा रहे मांग।युवक के लापता होने की लिखवाई गई थी तहरीर।घटना की जानकारी होते ही मौकेपर पर पहुंची पुलिस, लोगों को समझाने का कर रही प्रयास।सोनभद्र सदर कोतवाली क्षेत्र के बिछिया गांव का है मामला।

सदर विधायक भूपेश चौबे ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर किया पलटवार

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र । यूपी के सबसे अंतिम जिले सोनभद्र के दूसरी बार हुए सदर विधायक भूपेश चौबे से स्वामी प्रसाद मौर्य के द्वारा कर सेवकों पर दिए बयान का पलटवार किया गया। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में बने राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। उसे लेकर निमंत्रण भी भेजा गया है लेकिन कई राजनीतिक लोगों ने निमंत्रण भी ठुकरा दिया और अनेक प्रकार की बयान बाजी कर रहे है। इस दौरान सदर विधायक से जब बात किया गया था उन्होंने कहा कि राम सबके थे और सबके राम हैं जो भी सनातन हैं उनके आराध्य राम हैं। जब बात किया गया कि स्वामी के साथ मौर्य ने कहा कि उस समय कार सेवकों पर जो गोली चली वह सही थी जो कानून के दायरे में रहकर किया गया। इस पर सदर विधायक ने कहा कि पर अगर कोई विवादित टिप्पणी करता

है तो वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है। जहां तक स्वामी प्रसाद मौर्य जी के बयान की बात है तो आए दिन इस प्रकार के बयान बाजी करते रहते हैं, उनके बयानों को कोई भी ध्यान में नहीं देता, लेकिन एक बात मैं सोनभद्र की धरती से कहना चाहता हूं कि आराध्या राम के ऊपर बोलना बंद करिए नहीं तो बोकला भी छुड़ाया जाएगा।

थाना ओबरा पुलिस ने मु0अ0सं0-06/24 धारा 495, 504, 506 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त को 24 घण्टे के अन्दर किया गिरफ्तार।

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र ।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, क्षेत्राधिकारी ओबरा के पर्यवेक्षण में अपराधियों की गिरफ्तारी व अपराध पर नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना ओबरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-06/24 धारा 495, 504, 506 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त विनय यादव पुत्र रामबली यादव निवासी सेक्टर 02 ओबरा कॉलोनी थाना ओबरा जनपद सोनभद्र को 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार कर विधिक

कार्यवाही की गयी । गिरफ्तारकरने वाली पुलिस टीम का विवरण-01. प्रभारी निरीक्षक देवीवर शुक्ला, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र02. उ0नि0 राजेश दूबे, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।03. हे0का0 लल्लन यादव, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर भाजपाईयों नें किया पुष्पांजलि

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र । 12 जनवरी को भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता व सदर विधायक भूपेश चौबे नें सोनभद्र नगर के विवेकानंद प्रेक्षागृह में स्थित स्वामी विवेकानंद जी के प्रतिमा पर भाजपा नगर अध्यक्ष बलराम सोनी के नेतृत्व में माल्यार्पण व पुष्पांजलि किया इस अवसर पर जिलाध्यक्ष नें कहा की विवेकानंद जी युवाओं के लिए प्रेरणा के श्रोत हैं,और सदर विधायक नें कहा की स्वामी विवेकानंद जी नें हमें हमेशा ही सीखिने की प्रवीत्ति में बने रहना सिखाया है,इस अवसर पर बलराम सोनी, रविंद्र केशरी, अनुपम तिवारी, प्रमोद गुप्ता, रूबी गुप्ता, धीरेन्द्र

पाण्डेय, राजबहादुर पटेल, नीरज विश्वकर्मा, सत्यम सोनी, बृजेश श्रीवास्तव, अतुल पाण्डेय, अशोक भारती, सहित अन्य कई महत्वपूर्ण कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रहें।

मानीताऊ कम्पनी पर किसान सभा ने मजदूरों के समर्थन में किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र ।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में अवैध शस्त्र बरामदगी एवं गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे पुत्र घर्मजीत पटेल निवासी रजखड़, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र के कब्जे से 01 अदद अवैध तमंचा (315 बोर) मय 01 अदद जिन्दा कारतूस बरामद कर उक्त के सम्बन्ध में

अभियान के क्रम में दिनांक 11.01.2024 को थाना दुद्धी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर रजखड़ घाटी हाथीनाला मार्ग से 01 नफर अभियुक्त अरविन्द पटेल थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 09/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्त-1- अरविन्द

थाना ओबरा पुलिस द्वारा चोरी की योजना बना रहे 03 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार।

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र ।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, क्षेत्राधिकारी ओबरा के पर्यवेक्षण में चोरी पर प्रभावी रोकथाम लगाने व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक-13.01.2024 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा चोरी की योजना बना रहे 03 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया अभियुक्तों के कब्जे से एक अदद सबल, 03 अदद आ?ी, 03 अदद हेक्सा ब्लेट, 04 अदद रिंच, एक अदद चाकू बरामद किया गया । उक्त के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 09/2024 धारा 401 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-01. दीपक गौतम पुत्र महेश निवासी सेक्ट 7 सिनेमा रोड थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 25 वर्ष।02. भीम कननैजिया पुत्र गुलाब कननैजिया निवासी चोपन रोड थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 27 वर्ष ।03. अभय कुमार पुत्र शिवप्रसाद निवासी सेक्टर 10 थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 19 वर्ष ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-
01. प्रभारी निरीक्षक देवीवर शुक्ला, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।
02. उ0नि0 सरीमन सोनकर, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।
03. हे0का0 कविन्द्र यादव, हे0का0 ओमकार यादव, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।

थाना घोरावल पुलिस द्वारा 05 अन्तर्जनपदीय पशु तस्करों को किया गया गिरफ्तार, मौके से 19 राशि गोवंश बरामद ।

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र ।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा पशु तस्करो एवं गोवध के अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी घोरावल अमित कुमार के निर्देशन में थाना घोरावल पुलिस

टीम द्वारा अथक परिश्रम व पूर्ण मनोयोग से दिनांक 13.01.2024 को फारचुआ जंगल बहद ग्राम गुरूवल से वध हेतु ले जा रहे 19 राशि गोवंश को बरामद कर मौके से 05 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया । बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 06/2024 धारा 3/5ए/5बी/8 उ0प्र0 गोवध निवारण अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारी/बरामदगी की विवरण निम्नवत् है-गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का नाम पता- 1-साबित हुसैन उर्फ गुड्डू पुत्र हयात अली निवासी ग्राम कोलडीहवा (बरवाडीह) थाना कोन सोनभद्र उम्र करीब 34 वर्ष ।2-अल्ताफ अली पुत्र जफरूद्दीन निवासी ग्राम कोलडीहवा (बरवाडीह) थाना कोन सोनभद्र उम्र करीब 26 वर्ष ।3-सोनू कुमार पुत्र सुदेश्वर कननैजिया निवासी ग्राम रामगढ़ थाना कोन जनपद सोनभद्र उम्र 35 वर्ष ।4-सुबेदार पुत्र स्व0 रामदास कननैजिया निवासी ग्राम रामगढ़ थाना कोन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 50 वर्ष ।5- मुमताज पुत्र शम्सुद्दीन निवासी ग्राम लीलवाही थाना घोरावल जनपद सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष ।गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण- 1.प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल थाना घोरावल सोनभद्र । 2.उ0नि0 त्रिभुवन राय थाना घोरावल, सोनभद्र । 3.उ0नि0 ओमप्रकाश सिंह थाना घोरावल, सोनभद्र । 4.हे0का0 अभिषेक सिंह थाना घोरावल, सोनभद्र । 5. हे0का0 नागेन्द्र यादव थाना घोरावल सोनभद्र । 6.का0 मुरेश कुमार थाना घोरावल, सोनभद्र । 7. का0 अभिनव पाण्डेय थाना घोरावल, सोनभद्र ।

इलाज के दौरान 79 साल महिला कि हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र । आए दिन झोलाछाप डॉक्टरो के चलते हास्पिटल मे होरही है मौत स्वास्थ्य विभाग कि लापरवाही के चलते एसी घटनाए हो रही है - नयी बाजार मे खुला शिवाक न्यूरो क्लीनिक मे इलाज करने आई रामेश्वरी देवी पत्नी राम कुमार उम्र 70वर्ष डाला मनील बस्ती हटवा कि रहने वाली थाना दरौली जिला शिवान बिहार कि रहने वाली है-परिजनो ने बताया कि रामेश्वरी देवी को दमा कि बिमारी थी तबीयत खराब होने पर शिवाक न्यूरो क्लीनिक पर इलाज करना आई थी -परिजनो ने बता कि इलाज के दौरान ही रामेश्वरी देवी की मौत हो गई परिवार वालोने ने तत्काल पुलिस को इस की जानकारी दी सुचना प्राप्त होते ही नयी बाजार चौकी इनचार्ज मौक

पर पहुंचे-जिले मे स्वास्थ्य विभाग कि मेहरबानी के चलते झोलाछाप डॉक्टरो के द्वारा बीना रजिस्ट्रेशन के ही आस्पिटल चलाऐ जारहे है -जिसके चलते आए दिन किसी न किसी हास्पिटल मे मौत हो रही

संजय सिंह को राज्यसभा भेजने पर आप कार्यकर्ताओं हर्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र ।आप के कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह को दोबारा राज्यसभा में भेजे जाने के बाद न केवल उत्साह में डूबे हुए हैं बल्कि हर्ष और उल्लास के साथ अपनी प्रसन्नता जाहिर कर रहे हैं इन दिनों सोनभद्र सहित पूरे उत्तर प्रदेश में कमोबेश उत्साह का ही माहौल देखने को मिल रहा है आम आदमी डरना नहीं हैं और आम आदमी की लड़ाई लड़ करके लोगों की आवाज को बुलंद करना हैं यह सभी आप कार्यकर्ताओं के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय संयोजक मा0 अरविंद केजरीवाल द्वारा संजय सिंह को दोबारा राज्यसभा भेजे जानें के लिए सभी कार्यकर्ताओं की एक सुर

पार्टी सोनभद्र इकाई द्वारा शुक्रवार को स्वर्ण जयंती चौक बढ़ौली में कार्यकर्ता अपने नेता और दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद ज्ञापित किया कि उन्होंने दोबारा से उत्तर प्रदेश प्रभारी श्री संजय सिंह को राज्यसभा भेजने का काम किया है सभी आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को बधाई दी और सभी को मिठाई खिलाकर मुंह भी मीठा कराया जिला अध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा कि प्रदेश प्रभारी संजय सिंह भले ही जेल में हैं लेकिन जेल से उन्होंने जो संदेश दिया हैं कि तानाशाही से, जेल से, मुकदमों से में बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया ,इस अवसर पर महिला विंग प्रदेश उपाध्यक्ष सुशीला देवी,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष डॉ राम आसरे, जिलामहासाचिव विमलेश पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकांत तिवारी,वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेंद्र मौर्या,समीर खान, महिला विंग जिला उपाध्यक्ष बेबी सिंह,जिला कार्यकारणी सदस्य केवल कुशवाहा, मानिक चंद कनौजिया,विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल, सुरेंद्र पटेल, नागेंद्र मौर्या, घमड़ी सिंह,जिला उपाध्यक्ष गोविंद चौबे,प्रबुद्ध प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सतीश पांडे,समाशाम जी आदि शामिल रहे ।

थाना ओबरा पुलिस ने 02 नफर गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाया गया है, इसी के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी ओबरा डॉ0 चारु द्विवेदी के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 13.01.2024 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सुरेश कुमार उर्फ कुट्टी पुत्र स्व0 जमुना निवासी सेक्टर 10 थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 35 वर्ष के कब्जे से 01 किलो 250 ग्राम नाजायज गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उक्त के सम्बन्ध में थाना ओबरा पर मु0अ0सं0 - 07/2024 धारा- 8/20 उइर्ए मू का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी । इसी क्रम में आज दिनांक 13.01.2024 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त संजय पुत्र स्व0 सिगार चन्द निवासी शान्ति नगर बस्ती थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 28 वर्ष के कब्जे से 01 किलो 600 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया । उक्त के सम्बन्ध में थाना ओबरा पर मु0अ0सं0-08/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी ।

भूमि पूजन का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र ।अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युगश्रषि पंडित श्रीराम शर्मा एवं बंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में मानव में देवता का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण तथा संस्कार परंपरा के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु श्री आदिशक्ति मां गायत्री मूर्ति स्थापना एवं नौ कुंडीय महायज्ञ कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार के जिला समन्वयक राजकुमार ठतरुणठ ने जनपद वासियों से आवहान किया कि 13 जनवरी 2024 दिन शनिवार को प्रात 9बजे सोमनाथ मंदिर के पास स्थित रामदरबार मंदिर से होने वाली यात्रा मे भाग लेकर पुण्य के भागी बने।इस अवसर पर गायत्री

आयोजन हेतु रॉबर्ट्सगंज रामलीला मैदान में गायत्री परिवार के आचार्य प्रदीप कुमार के नेतृत्व में मुख्य यजमान दीपक कुमार केसरवानी, प्रतिभा देवी द्वारा पूरे विधि- विधान एवं मंत्रोचार के साथ भूमि पूजन,भजन, आरती, प्रसाद परिवार के जिला समन्वयक राजकुमार तरुण, अरविंद कुमार सिंह, प्रकाश केशरी, गोविंद उमर, गोपाल अग्रहरि, सरिता जायसवाल, उषा देवी विजयलक्ष्मी, रिचा केसरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पहले टी20में बढ़ी कीवी टीम की मुश्किलें, अहम ऑलराउंडर पाए गए कोरोना पॉजिटिव,मैच से हुए बाहर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।न्यूजीलैंड की टीम घरेलू मैदान पर पाकिस्तान की टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। दोनों टीमों के बीच पहला मैच ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जा रहा है।न्यूजीलैंड की टीम घरेलू मैदान पर पाकिस्तान की टीम के बीच पहला मैच ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड के शानदार ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर पहले मैच से बाहर हो गए हैं। मिचेल मैच से पहले कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। अभी सैंटनर ऑकलैंड के होटल में आइसोलेशन में हैं। मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड की टीम ने 20 ओवर में 226 रन बनाए हैं।ऐसे में कीवी टीम के लिए पहले मैच से अच्छी खबर सामने नहीं आई है। न्यूजीलैंड के शानदार ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर पहले मैच से बाहर हो गए हैं। मिचेल मैच से पहले कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। अभी सैंटनर ऑकलैंड के होटल में आइसोलेशन में हैं।14 जनवरी को दूसरे टी20 के लिए अकेले हैमिल्टन सेडॉन पार्क के लिए रवाना होंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 12 जनवरी को पहले मैच से पहले सैंटनर शूम्पत्त की मैच में मौजूद न रहने की खबर सोशल मीडिया पर शेयर की। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने लिखा कि मिचेल सैंटनर पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच के लिए ईडन पार्क नहीं पहुंच पाएंगे।सैंटनर आज सुबह कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। अगले कुछ दिनों के लिए वह डॉक्टरों की निगरानी में रहेंगे। सैंटनर अकेले अपने घर के लिए अकेले हैमिलटन रवाना होंगे। सैंटनर की गैरमौजूदगी में न्यूजीलैंड की टीम में पहले मैच के दौरान सिर्फ ईश सोढ़ी अकेले स्पिनर होंगे।कीवी टीम ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज खेली, जो 1-1 से टाई रही। पहली बार न्यूजीलैंड की टीम को बांग्लादेश के खिलाफ किसी टी20 मैच में हार घरेलू जमीन पर हार का सामना करना पड़ा। अगर

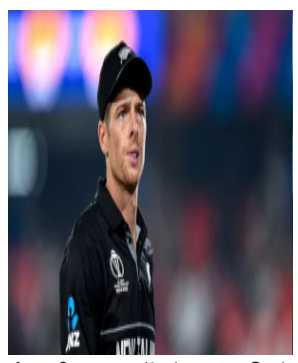

मैच की बात करें तो खबर लिखे जाने तक न्यूजीलैंड की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 226 रन बनाए हैं। टीम की ओर से केन विलियमसन और डेरिल मिचेल ने अर्धशतक जड़े। पाकिस्तान की ओर से कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और अब्बास अफरीदी ने 3-3 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा हैरिस रउफ ने 2 विकेट लिए। पाकिस्तान को जीत के लिए 227 रन की जरूरत है।

नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने से खुश टीम इंडिया के ये खिलाड़ी, एमएस धोनी की सलाह को बताया जीत का महामंत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में मोहाली में 15 गेंद बाकी रहते हुए 6 विकेट से जीत अपने नाम की। शिवम दुबे के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत की झोली में जीत आई।भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में मोहाली में 15 गेंद बाकी रहते हुए 6 विकेट से जीत अपने नाम की। भारत के बांए हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने शिवम दुबे के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाई। मैच के बाद रिंकू ने खुद को शांत रखने का श्रेय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को दिया है। ने 60 रन की तूफानी पारी खेली और गेंद से एक विकेट भी अपने नाम किया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने मेहमान टीम को 20 ओवर में 158 रन पर रोका। ऐसे में भारत के बांए हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने शिवम दुबे के साथ मिलकर भारत को जीत दिलाई रिंकू ने 9 गेंदों में 16 रन जड़े। रिंकू और दुबे ने पांचवें विकेट के लिए 22 गेंदों में 42 रन जोड़े। मैच के बाद रिंकू ने खुद को शांत रखने का श्रेय पूर्व कप्तान एमएस धोनी की सलाह को दिया है। रिंकू ने कहा कि मैंने पिछले आईपीएल में माही भाई से बात की थी, उन्होंने मुझे कहा था कि सिर्फ गेंद के अनुसार खेलें और मैं सिर्फ वहीं करता हूंमैं सिर्फ अपने आप से बात करने की कोशिश करता हूं। नंबर 6 पर पर बल्लेबाजी करते समय मुझे बहुत ज्यादा गेंदें खेलने का या बहुत अधिक रन बनाने का मौका नहीं मिलता है, यह बात मैं खुद से कहता रहता हूं। रिंकू को बेहतरीन फिनिशर के नाम से भी जाना जाता है। अगर मैच की बात करें को भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। रोहित शर्मा ने लंबे समय बाद टी20 फॉर्मेट में वापसी की है। हालांकि, बेटी वामिका के जन्मदिन के कारण कोहली इस मैच में शामिल नहीं हो सके। अब दूसरे मैच जीत कर भारत सीरीज को अपने नाम करने की कोशिश करेंगा।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में हेलीकॉप्टर से डेविड वॉर्नर ने मारी एंट्री, बीच मैदान दिखाई फिल्म, प्लेयर की अदा पर लट्टू हुए फैंस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । बिग बैश लीग के 34वें मैच में सिडनी सिक्सर्स और सिडनी थंडर्स के बीच मुकाबला होगा। डेविड वॉर्नर सिडनी थंडर्स के लिए आज लीग में खेलते हुए नजर आएंगे।बिग बैश लीग के 34वें मैच में सिडनी सिक्सर्स और सिडनी थंडर्स के बीच मुकाबला होगा। डेविड वॉर्नर सिडनी थंडर्स के लिए आज लीग में खेलते हुए नजर आएंगे। मैच से पहले भाई की शादी से सीधा सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे लेकिन जिस अदा में वह मैदान पर वो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वॉर्नर हेलीकॉप्टर से अपने घरेलू मैदान में पहुंचे।ऐसे में वॉर्नर मैच से पहले भाई की शादी से सीधा सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे, लेकिन जिस अदा में वह मैदान पर वो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। थंडर्स के मैच से पहले वॉर्नर हेलीकॉप्टर से अपने घरेलू मैदान में पहुंचे। काले रंग के हेलीकॉप्टर में डेविड वॉर्नर ने मैदान पर लैंड किया।इस दौरान वॉर्नर ही खुद भी काली टीशर्ट और शॉर्ट्स में नजर आए। वॉर्नर की एंट्री को रिकॉर्ड करने के सभी कैमरामैन मैदान पर मौजूद थे। वॉर्नर ने लैंड करने के बाद हाथ हिलाकर मैदान पर सबका स्वागत भी किया। ऐसे में कुछ चैनल के एंकर ने उनसे बात करने की कोशिश भी की। वॉर्नर की एंट्री पर फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया जताई। फैंस वॉर्नर की इस अदा के दीवाने हो गए हैं। बता दें कि इस मैच में वॉर्नर टॉम कुरेन के चोटिल होने के कारण बीबीएल में वापसी कर रहे हैं। कुरेन चोट के कारण बीबीएल में आगे वेा मैच नहीं खेल पाएंगे।बीबीएल के बाद वॉर्नर आईएलटी20 में शामिल होने के लिए संयुक्त अरब अमीरात जाएंगे। आईएलटी20 में वह दुबई कैपिटल्स की ओर से खेलेंगे।

'वो मुझे मेरी याद दिलाते.युवराज सिंह हुए भारत के इस युवा बैटर के मुरीद; बताया टीम इंडिया का नया फिनिशर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । भारत की टीम में एक युवा बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से सनसनी फैला रखी है। टी-20 इंटरनेशनल में

ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने के साथ-साथ इस बैटर के पास दबाव में रन बनाने का हुनर भी मौजूद है। क्रिकेट के तमाम दिग्गज खिलाड़ी बाएं हाथ के बैटर की जमकर तारीफों के पुल बांध रहे हैं। हम बात आईपीएल में लगातार पांच छक्के लगाकर लाइमलाइट में आए रिंकू सिंह की कर रहे हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह भी रिंकू की विस्फोटक बैटिंग के फैन हो गए हैं। युवी का कहना है कि रिंकू की बैटिंग उन्हें अपनी याद दिलाती है। एक युवा बैटर और खासतौर पर बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए इससे बड़ा कॉम्पिलिमेंट शायद ही कुछ और होगा। रिंकू सिंह इन दिनों अपनी तूफानी बैटिंग को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। हर तरफ रिंकू की आतिशी बल्लेबाजी के चर्चे हो रहे हैं। रिंकू की बल्लेबाजी के फैन खुद युवराज सिंह भी हो गए हैं। युवी ने बाएं हाथ के बैटर की जमकर तारीफ की है। युवराज के अनुसार रिंकू उन्हें अपनी याद दिलाता हैं और वह इस समय सबसे बेहतरीन बाएं हाथ वेा बल्लेबाज हैं। हम बात आईपीएल में लगातार पांच छक्के लगाकर लाइमलाइट में आए रिंकू सिंह की कर रहे हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह भी रिंकू की विस्फोटक बैटिंग के फैन हो गए हैं। युवी का कहना है कि रिंकू की बैटिंग उन्हें अपनी याद दिलाती है। एक युवा बैटर और खासतौर पर बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए इससे बड़ा कॉम्पिलिमेंट शायद ही कुछ और होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ लगी इन 4 खिलाड़ियों की किस्मत भाग्य से मिल गया टीम इंडिया में मौका

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।बीसीसीआई ने रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। ऐसे में रोहित और विराट लगभग 1 साल से अधिक समय के बाद टी20 में वापसी कर रहे हैं।बीसीसीआई ने रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। ऐसे में रोहित और विराट लगभग 1 साल बाद टी20 में वापसी कर रहे हैं। इस बीच कुछ खिलाड़ी हैं जिन्हें बीसीसआई की ओर से टी20 सीरीज में बुलावा आया है। इन खिलाड़ियों को शायद खुद भी सेलेक्टर्स के कॉल पर भरोसा नहीं हुआ होगा।जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अब टीम की कमान रोहित के हाथों में होने की संभावना बढ़ गई। ऐसे में टीम इंडिया में कुछ खिलाड़ी लकी रहे, जिन्हें टीम में जगह दी गई। आइए देखते हैं ऐसे कौन से तीन खिलाड़ी हैं-रोहित शर्मा ने साल 2022 में टी20 वर्ल्ड कप के बाद से कोई टी20 मैच नहीं खेला है। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में उन्हें बल्लेबाज ही नही बल्कि कप्तानी भी दी गई है, जो काफी खास है। रोहित ने इस दौरान सिर्फ आईपीएल में कप्तानी की है। अब इस बीच रोहित की वापसी पर सबकी निगाहें रहेंगी। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए दमदार प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे को अब बीसीसीआई की ओर से बुलावा आया है। दुबे को उछाल वाली पिच पर खराब प्रदर्शन के कारण दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टीम में जगह नहीं दी गई। अब दुबे को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलती है या नहीं ये देखना बेहद खास होगा, लेकिन स्क्वाड

ने रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। ऐसे में रोहित और विराट लगभग 1 साल बाद टी20 में वापसी कर रहे हैं। इस बीच कुछ खिलाड़ी हैं जिन्हें बीसीसआई की ओर से टी20 सीरीज में बुलावा आया है। इन खिलाड़ियों को शायद खुद भी सेलेक्टर्स के कॉल पर भरोसा नहीं हुआ होगा।जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अब टीम की कमान रोहित के हाथों में होने की संभावना बढ़ गई। ऐसे में टीम इंडिया में कुछ खिलाड़ी लकी रहे, जिन्हें टीम में जगह दी गई। आइए देखते हैं ऐसे कौन से तीन खिलाड़ी हैं-रोहित शर्मा ने साल 2022 में टी20 वर्ल्ड कप के बाद से कोई टी20 मैच नहीं खेला है। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में उन्हें बल्लेबाज ही नही बल्कि कप्तानी भी दी गई है, जो काफी खास है। रोहित ने इस दौरान सिर्फ आईपीएल में कप्तानी की है। अब इस बीच रोहित की वापसी पर सबकी निगाहें रहेंगी। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए दमदार में उन्हें जगह मिलना अहम है।11 टी20 मैचों में मुकेश ने 9.28 की इकॉनमी रेट से सिर्फ 10 विकेट लिए हैं। हालांकि उन्होंने डेथ ओवर्स में कुछ अच्छी गेंदबाजी भी की है। उन्होंने इस फॉर्मेट में कुछ ज्यादा कमाल नहीं किया है। भारत ने मुकेश का पॉवरप्ले में कभी इस्तेमाल नहीं किया है,जो उनकी खासियत है। भारत ने सिर्फ तीन तेज गेंदबाजों को सीरीज में जगह दी है। विराट कोहली को भी रोहित शर्मा की तरह ही लगभग 1 साल से ज्यादा समय के बाद सेलेक्टर्स का टी20 टीम के लिए कॉल आया है। 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा रहा था। अब टी20 वर्ल्ड कप से पहले ये कॉल खिलाड़ियों के लिए अहम है।रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, अवेश खान, मुकेश कुमार।

शिवम दुबे ने आतिशी बल्लेबाजी से उड़ाया गर्दा, मोहाली में बने जीत के नायक; कोहली-युवराज के स्पेशल क्लब में हुई एंट्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी-20 मुकाबले में शिवम दुबे टीम इंडिया की धमाकेदार जीत के नायक रहे। मोहाली में शिवम ने अपनी आतिशी बल्लेबाजी से जमकर महफिल लूटी। बाएं हाथ के बैटर ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए 40 गेंदों पर 60 रन बनाए और चौका लगाकर भारतीय टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई। अपनी इस विस्फोटक पारी के दौरान शिवम ने विराट कोहली और युवराज सिंह के खास क्लब में भी खुद को शामिल कर लिया है।पहले टी-20 में शिवम दुबे जब बल्लेबाजी करने उतरे तो भारतीय टीम मुश्किल में थी। रोहित शर्मा और शुभमन गिल पवेलियन लौट चुके थे और स्कोर बोर्ड पर सिर्फ 28 रन लगे थे। इसके बाद 30 वर्षीय बल्लेबाज ने मोर्चा संभाला और तिलक वर्मा के साथ मिलकर भारतीय पारी को संवारा। तिलक 26 और जितेश शर्मा 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे, लेकिन शिवम एक छोर को संभालकर खड़े रहे और टीम को जीत दिलाकर लौटे।शिवम ने 60 रन की शानदार पारी खेलने के साथ-साथ गेंद से भी दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने 2 ओवर के स्पेल में महज 9 रन खर्च करते हुए अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जदरान का विकेट झटका। शिवम भारत की ओर से एक टी-20 इंटनरेशनल मैच में फिफ्टी जमाने के साथ विकेट लेने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। शिवम से पहले यह कारनामा विराट कोहली, युवराज सिंह और हार्दिक पांड्या ने करके दिखाया है।मोहाली में खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में टीम इंडिया की पिक्चर सुपरहिट रही। पहले गेंदबाजी करते हुए भारतीय बॉलर्स ने अफगानिस्तान की टीम को 158 रन के स्कोर पर

रोका। गेंदबाजी में मुकेश कुमार और अक्षर पटेल ने बढ़िया गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट अपने नाम किए।बल्लेबाजी में कप्तान 14 महीने बाद टी-20 फॉर्मेट में उतरे कप्तान रोहित शर्मा बुरी तरह से फ्लॉप रहे और बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। शुभमन गिल ने 12 गेंदों पर 23 रन जड़े। शिवम दुबे ने 60 रन की आतिशी पारी के दौरान 5 चौके और 2 छक्के जमाए। वहीं, जितेश शर्मा ने 20 गेंदों पर 31 रन की दमदार पारी खेली।

अगर ये नहीं देखा तो क्या देखा गर्दन से बैट पकड़ चौके-छक्के लगा रहा जम्मू कश्मीर का ये खिलाड़ी, पैरों से गेंदबाजी कर उड़ाए

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।क्रिकेट एक ऐसा खेल है, जिसमें हर दिन कुछ नया देखने को मिलता है। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति बिना बाजू होने के बजाय क्रिकेट खेल रहा है।क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें हर दिन कुछ नया देखने को मिलता है। भारत ने भी फिजिकल डिसेबल्ड खिलाड़ियों के लिए एक अलग बोर्ड का गठन किया है। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक व्यक्ति बिना बाजू होने के बजाय क्रिकेट खेल रहा है। इस व्यक्ति ने क्रिकेट के लिए अपने टैलेंट से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।क्रिकेट एक ऐसा खेल है, जिसमें हर दिन कुछ नया देखने को मिलता है। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति बिना बाजू होने के बजाय क्रिकेट खेल रहा है।ऐसे में भारत ने भी फिजिकल डिसेबल्ड खिलाड़ियों के लिए एक अलग बोर्ड का गठन किया है। भारत की ओर से फिजिकल डिसेबल्ड खिलाड़ियों भी अब क्रिकेट में बड़ा मकाम हासिल कर रहे हैं। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट

परिषद (डीएसीसीआई) ने फिजिकल डिसेबल्ड खिलाड़ियों के टैलेंट को आगे बढ़ाने का जिम्मा उठाया है।अब एक ऐसा ही खिलाड़ी सोशल मीडिया पर क्रिकेट के लिए अपने टैलेंट से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यह खिलाड़ी दोनों हाथ न होने के बजाय गले से बैट पकड़कर क्रिकेट खेल रहा है और बड़े शॉट लगा रहा है। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में बिजबेहरा के वाघामा गांव का एक दिव्यांग क्रिकेटर गले से बैट पकड़कर चौके- छक्के लगाते हुए नजर आ रहे हैं। आमिर जम्मू कश्मीर की पेरा क्रिकेट टीम के कप्तान हैं। आमिर 2013 से पेशेवर क्रिकेट खेल रहे हैं।2013 में आमिर के एक टीचर ने क्रिकेट के प्रति उनके जनून को पहचाना था और पेरा क्रिकेट से उन्हें अवगत कराया था। वह पैरों गेंदबाजी करते हैं और वह अपने कंधों और गले के बीच बैट को पकड़कर बड़े बड़े शाट्र्स लगाते हैं। आमिर ने आठ साल की उम्र में अपने पिता की आटे की मील में एक हादसे के दौरान अपने दोनों हाथ गंवा दिए थे।

कप्तान शाहीन अफरीदी की गेंदबाजी की उड़ी धज्जियां, एक ओवर में लुटाए 24 रन, कीवी ओपनर ने बिगाड़ी लय

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच पहला टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला ऑकलैंड में खेला जा रहा है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। शाहीन अफरीदी बतौर कप्तान पहली बार पाक टीम की कमान संभाल रहे हैं। हालांकि, बतौर गेंदबाज अफरीदी के लिए यह मुकाबला किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने अफरीदी की बुरी तरह से लय बिगाड़कर रख दी और उनके दूसरे ओवर में 24 रन कूट डाले।दूसरे ओवर में फिन एलन ने अफरीदी की लय बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एलन ने अफरीदी के दूसरे ओवर की शुरुआत जोरदार सिक्स के साथ की। इसके बाद कीवी ओपनर ने अगली तीन गेंदों पर चौकों की हैट्रिक लगाई। ओवर की पांचवीं गेंद को एलन ने एकबार फिर हवाई यात्रा पर भेजा और ओवर से 24 रन बटोर डाले।टी-20 इंटरनेशनल में बतौर कप्तान पहली बार मैदान पर उतरे शाहीन अफरीदी ने मैच का पहला ओवर कमाल का फेंका। अफरीदी ने दूसरी ही गेंद पर डेवोन कॉनवे को गोल्डन डक पर पवेलियन की राह दिखाई और पहले ओवर में सिर्फ एक रन खर्च किया। हालांकि, दूसरे ओवर में फिन एलन ने अफरीदी की लय बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी।एलन ने अफरीदी के दूसरे ओवर की शुरुआत जोरदार सिक्स के साथ की। इसके बाद कीवी ओपनर ने अगली तीन गेंदों पर चौकों की हैट्रिक लगाई। ओवर की पांचवीं गेंद को एलन ने एकबार फिर हवाई यात्रा पर भेजा

और ओवर से 24 रन बटोर डाले। अफरीदी के दूसरे ओवर में एलन ने तीन चौके और दो छक्के जमाए।शाहीन अफरीदी ने ऑकलैंड में खेले जा रहे पहले टी-20 मुकाबले में अपने चार ओवर के स्पेल में 46 रन लुटाए। बतौर कप्तान अपने पहले मैच को अफरीदी गेंदबाजी के लिहाज से बिल्कुल भी याद नहीं रखना चाहेंगे। हालांकि, पाकिस्तानी कैप्टन ने तीन विकेट भी चटकाए।पहले टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में न्यूजीलैंड ने बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 226 रन स्कोर बोर्ड पर लगाए हैं। टीम की ओर से डेरिल मिचेल ने 27 गेंदों 61 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान केन विलियमसन ने 42 गेंदों पर 57 रन जड़े। मिचेल ने 4 चौके और चार छक्के जमाए। वहीं, फिन एलन ने 15 गेंदों पर 35 रन कूटे। वहीं, मार्क चैपमेन ने 11 गेंदों पर 26 रन बनाए।

राशीफल

मेष-:इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

वृष-:इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मिथुन-:मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

कर्क-:सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सिंह-:सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

कन्या-:इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

तुला-:नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

वृश्चिक-:इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें। किसी पुराने दोस्त से

धनु-:नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

मकर-:परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

कुंभ-:मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा। शत्रुओं पर

मीन-:पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

साप्ताहिक राशिफल

सम्पादकीय

नदियों में बढ़ती गाद से गहराता संकट, जरूरी है इसका प्रबंधन

नदियों में बढ़ती गाद से सतलुज, गंगा और हिंडन जैसी नदियां सूख रही हैं। गाद का भली-भांति प्रबंधन न होने से ही मुश्किलें बढ़ रही हैं।पिछले महीने संपन्न सतलुज-यमुना जोड़ की बैठक में पंजाब सरकार ने स्पष्ट किया कि उनके राज्य में सतलुज नदी अभी से सूख रही है। दिल्ली में यमुना हो या फिर गाजियाबाद-शामली में हिंडन, ये भी सिकुड़ रही हैं। दो महीने पहले बरसात में तबाही मचाने वाली बिहार के गोपालगंज जिले से गुजरने वाली घोघारी, धमई व स्याही नदियों ने भी सूखने के लिए गर्मी का इंतजार नहीं किया। विगत जुलाई में सी-गंगा यानी सेंटर फॉर गंगा रिवर बेसिन मैनेजमेंट ऐंड स्टडीज द्वारा जल शक्ति मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और झारखंड की 65 नदियां बढ़ती गाद से हांफ रही हैं।हालांकि गाद नदियों के प्रवाह का नैसर्गिक उत्पाद है और देश के कई बड़े तीर्थ व प्राचीन शहर इसी गाद पर विकसित हुए हैं। पर नदी के साथ बहकर आई गाद को जब किनारों पर माकूल जगह नहीं मिलती, तो वह जलधारा के संगम के किनारे नदी में खड़े होकर कोई भी स्नान कर सकता है। पर यमुना की अधिक गहराई के चलते असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। तभी संगम पूरब की तरफ बढ़ रहा है और उसका झुकाव अकबर के किले तक खिसक चुका है, जबकि संगम कभी सरस्वती घाट के पास हुआ करता था।आजादी के बाद भी गढ़मुक्तेश्वर से कोलकाता तक जहाज चला करते थे। गाद के चलते बीते पांच दशक में वहां गंगा की धारा आठ किलोमीटर दूर खिसक गई है। बिजनौर के गंगा बैराज पर गाद की आठ मीटर मोटी परत है। आगरा व मथुरा में यमुना गाद से भर गई है। आजमगढ़ में घाघरा और तमसा के बीच गाद के कारण कई मीटर ऊंचे टापू बन गए हैं। घाघरा, कर्मनाशा, बेसो, मंगई, चंद्रप्रभा, गरई, तमसा, वरुणा और असि नदियां गाद से बेहाल हैं।बिहार में तो उथली हो रही नदियों में गंगा सहित 29 नदियों का दर्द है। जो नदियां तेज बहाव से आ रही हैं, उनके साथ आए मलबे से भूमि कटाव भी हो रहा है और कई जगह नदी के बीच टापू बन गए हैं। अकेले फरक्का

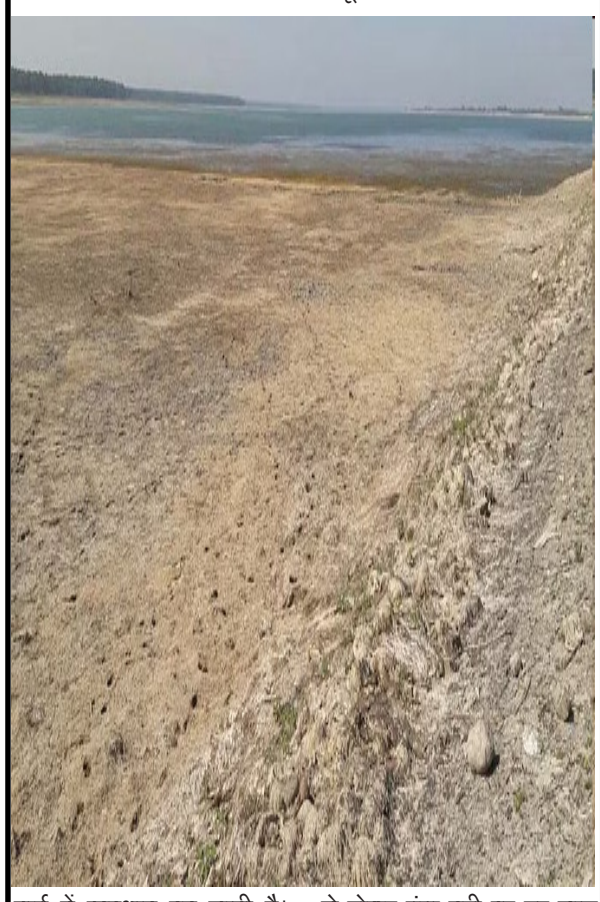

मार्ग में व्यवधान बन जाती है। गाद नदी के प्रवाह मार्ग में जमती रहती है और इससे नदियां उथली होती हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में ऐसी 36 नदियां हैं, जिनकी कोख में इतनी गाद है कि न केवल उनकी गति मंथर हुई है, बल्कि कुछ ने अपना मार्ग बदला और उनका पाट संकरा हो गया। रही-सही कसर अंधाधुंध बालू उत्खनन ने पूरी कर दी। नतीजतन इनमें से कई नदियों का अस्तित्व खतरे में है। प्रयागराज के फाफामऊ, दारागंज, संगम, छतनाग और लीलापुर के पास टापू बनते हैं। संगम के आसपास गंगा नदी में चार मिलीमीटर की दर से हर साल गाद जमा हो रही है।गंगा की गहराई कम होने से उसकी धारा में भी परिवर्तन हो रहा है। आने वाले दिनों में गंगा की धारा और तेजी से परिवर्तित होगी, क्योंकि जब नदी की गहराई कम हो जाएगी, तो नदी का स्वाभाविक बहाव रुक जाएगा। ऐसे में बाढ़ का खतरा स्वाभाविक है। यह बात सरकारी रिकॉर्ड में है कि आज जहां पर संगम है, वहां यमुना की गहराई करीब 80 फीट है, लेकिन गंगा की गहराई इतनी कम है कि से होकर गंगा नदी पर हर साल 73.6 करोड़ टन गाद आती है, जिसमें से 32.8 करोड़ टन गाद इस बैराज के प्रति प्रवाह में ठहर जाती है। झारखंड के साहिबगंज में गंगा अपने पारंपरिक घाट से पांच किलोमीटर दूर चली गई है। वर्ष 2016 में केंद्र सरकार द्वारा गठित चितले कमेटी ने साफ कहा था कि नदी में बढ़ती गाद का एकमात्र निराकरण यही है कि नदी के पानी को फैलने का पर्याप्त स्थान मिले, तटबंध और नदी के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण न हो और अत्यधिक गाद वाली नदियों के संगम क्षेत्र से नियमित गाद निकालने का काम हो। पर ये सिफारिशें ठंडे बस्ते में बंद हो गईं।यह दुर्भाग्य है कि विकास के नाम पर नदियों के कछार को सर्वाधिक हड़पा गया। भूमि के लालच में कछार और उसकी गाद लुप्त हो गई। गाद हर नदी का स्वाभाविक उत्पाद है, पर उसका भली-भांति प्रबंधन अनिवार्य है। गाद जैसे ही नदी के बीच जमती है, तो नदी का प्रवाह बदल जाता है। यदि गाद किनारे से बाहर नहीं फैली, तो नदी के मैदान का उपजाऊपन और ऊंचाई, दोनों घटने लग जाते हैं, जिससे बाढ़ का दुष्प्रभाव अधिक होता है।

30 साल के विवेकानंद ने 54 साल के जमशेदजी टाटा को दिए थे 2 आइडिया, और बदल गया भारत का इतिहास

पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंदजी के शिकागो भाषण की 125वीं सालगिरह पर एक कार्यक्रम में जिक्र किया था कि कैसे विवेकानंदजी ने मेक इन इंडिया का आव्हान करते हुए जमशेदजी टाटा को इसके लिए प्रेरणा दी थी। आज विवेकानंद के दिए ऐतिहासिक भाषण को 126 साल हो गए हैं। विवेकानंद के इस भाषण की पूरी दुनिया दीवानी हो गई थी। यही वह भाषण था जिसने भारत की दार्शनिक मेधा, गूढ़ हिंदू धर्म को संक्षिप्त रूप से लेकिन प्रभावी तरीके से पूरी दुनिया के सामने पहुंचाया था। बहरहाल, भाषण के अलावा विवेकानंद कई रूपों में भी याद किए जाते हैं। पिछले साल विवेकानंद के शिकागो में दिए भाषण को 125 साल होने पर पीएम मोदी ने भी याद किया गया। आइए जानते हैं क्या थी वह घटना जिसका जिक्र मीडिया में चर्चा में आ गया था। दरअसल, ये बात 1893 की है, जब विवेकानंदजी वर्ल्ड रिलीजन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका जा रहे थे और उसी शिप 'एसएस इम्प्रेस ऑफ इंडिया'पर सवार थे, जमशेदजी टाटा। शिप बेंकूवर जा रहा था। वहां से विवेकानंद को शिकागो के लिए ट्रेन लेनी थी। उस वक्त तीस साल के युवा थे विवेकानंद और 54 साल के थे जमशेदजी टाटा, उम्र में इतने फर्क के बावजूद दोनों ने काफी समय साथ गुजारा।इस शिप यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर स्वामी विवेकानंद और जमशेदजी टाटा में चर्चा हुई। टाटा ने बताया कि वो भारत में स्टील इंडस्ट्री लाना चाहते हैं। तब स्वामी विवेकानंद ने उन्हें सुझाव दिया कि टेक्नोलॉज़ी ट्रांसफर करेंगे तो भारत किसी पर निर्भर नहीं रहेगा, युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। तब टाटा ने ब्रिटेन के इंडस्ट्रियलिस्ट से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की बात की, लेकिन उन्होंने ये कहकर मना कर दिया कि फिर तो भारत वाले हमारी इंडस्ट्री को खा जाएंगे। तब टाटा अमेरिका गए और वहां के लोगों से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का भी समझौता किया। लोग बताते हैं कि इसी से टाटा स्टील की नींव पडी और जमशेदपुर मे पहली फैक्ट्री लगी। इस बात का जिक्र आज भी टाटा बिजनेस घराने से जुड़ी वेबसाइट्स पर मिल जाता है। इस पूरी मुलाकात की जानकारी स्वामीजी ने अपने भाई महेन्द्र नाथ दत्त को पत्र लिखकर दी थी।जमशेदजी टाटा भगवा वस्त्रधारी उस युवा के चेहरे का तेज और बातें सुनकर काफी हैरान थे। भारत को कैसे सबल बनाना उसके बाद टाटा अपने रास्ते पर और स्वामी अपने रास्ते पर। इस मुलाकात में दो बातें टाटा ने स्वामीजी से समझीं, एक गरीब भारतीय युवा को भरपेट खाना मिल जाए और दूसरी शिक्षा मिल जाए तो वो देश की तकदीर बदल सकता है, और टाटा ने रोजगार और शिक्षा को अपना मिशन बना लिया।हालांकि दोनों की ये पहली मुलाकात थी, लेकिन टाटा उनसे काफी प्रभावित हुए। स्वामी जी का सम्मान टाटा की नजरों में तब और भी बढ़ गया, जब ब्रिटेन के अखबारों ने उनके सुनने को उतावला था। इधर जमशेदजी टाटा ने अपनी जिंदगी के चार मिशन बना लिए थे, एक स्टील मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलना, एक विश्व स्तर की यूनीवर्सिटी शुरू करना, एक बड़ा होटल खड़ा करना और एक हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्लांट बनाना। हालांकि होटल ताज उनके सामने ही 1903 में बनकर तैयार हो चुका था बाकी तीनों सपने उनके बाद पूरा हो पाए।इस खत में उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की चर्चा की, जिसके लिए बाद में वायसराय लॉर्ड कर्जन ने अनुमति

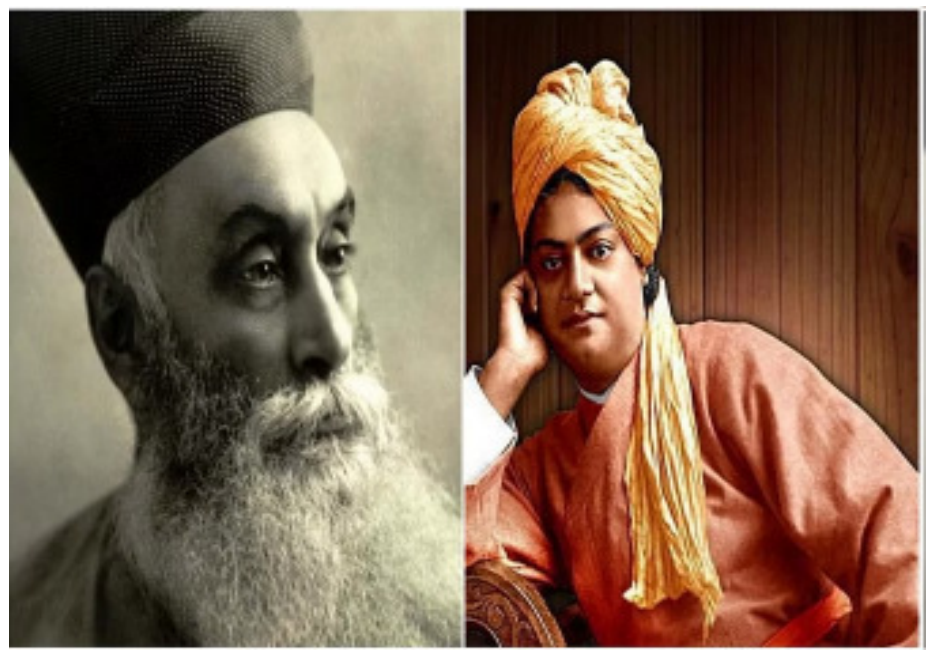

है इस पर उनकी राय एकदम स्पष्ट थी, ना केवल आर्थिक क्षेत्र में बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी। विवेकानंद ने एक और काफी अहम प्रेरणा जमशेदजी टाटा को इस यात्रा के दौरान दी। वो थी भारत में एक टॉप लेवल की यूनीवर्सिटी खोलना जहां से वर्ल्ड लेवल के स्टूडेंट्स देश भर में निकलें, जिसमें ना केवल साइंस की रिसर्च हो बल्कि ह्यूमेनिटी की भी पढ़ाई हो। टाटा ने दोनों ही बातों को गंभीरता से लिया भी, भाषण के बाद लिखा कि ' शिकागो भाषण के बाद विवेकानंद के चर्चे पूरे यूरोप और अमेरिका में होने लगे, वहां से वो इंग्लैंड चले गए, जहां उन्होंने कई लैक्चर वेदांत पर दिए।स्वामीजी 1897 में भारत आए और जब वो लौटे तो लोग उनकी घोडागाड़ी में से घोड़े निकालकर खुद जुत गए, ऐसे स्वागत से अभिभूत हो गए स्वामी जी। स्वामीजी ने भारतवासियों में इतना आत्मविश्वास बढ़ा दिया था कि हर कोई उन्हें नहीं दी। हालांकि टाटा ने इस इंस्टीट्यूट के लिए उस दौर में पूरे तीस लाख रुपए का ऐलान कर दिया, और विवेकानंद जी से मदद मांगी।उसके बाद कैसे स्वामीजी की मौत के बाद, यहां तक टाटा की मौत के बाद भी स्वामीजी की शिष्या भगिनी निवेदिता ने कोलकाता से लंदन तक कैसे आईआईएससी के सपने को पूरा करने के लिए, उसकी अनुमति दिलाने के लिए, फंड दिलवाने के लिए अथक प्रयास किए।

डिजिटल अंतर मिटाने का वक्त, असमानता की खाई को पाटना बड़ी चुनौती

युवा कौशल बढ़ाने के लिए डिजिटल इंडिया के तहत कई कार्यक्रम चल रहे हैं। पर उत्तर व दक्षिण तथा पुरुषों व महिलाओं में अब भी भारी असमानता है।नए वर्ष में जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव करीब आते जाएंगे, सियासी गर्मी बढ़ती जाएगी। इस दौरान कई गैर-जरूरी मुद्दे बहस के केंद्र में आ सकते हैं, जिससे

बाकी मुद्दों को विमर्श से बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन एक ऐसा मुद्दा है, जो देश के भविष्य के साथ जुड़ा है। यह है-मानव पूंजी। भारत एक युवा राष्ट्र है, जहां औसत उम्र मात्र 28 वर्ष है। देश के जनसांख्यिकीय लाभ के बारे में बातें होती हैं, पर यह लाभ मिलेगा ही, इसकी गारंटी नहीं है, क्योंकि युवाओं का एक विशाल बहुमत अब भी अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं कर पा रहा है।मानव पूंजी की कमी इसका एक प्रमुख कारण है। शिक्षा और विपणन कौशल मानव पूंजी के प्रमुख तत्व हैं। इसके बिना बदलती विश्व व्यवस्था में उभरते हुए नए अवसरों का लाभ नहीं उठाया जा सकता। थोड़े लोग हैं, जो इन नए अवसरों के लिए जरूरी कौशल से लैस हैं और उनका लाभ उठा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि इस वर्ष हम बाकी लोगों के बारे में विचार करेंगे, जो देश में और देश के बाहर उभरते अवसरों का लाभ उठाने के योग्य नहीं हैं।ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में रॉयल बैंक रिसर्च प्रोफेसर ऑफ इकनॉमिक्स अमर्त्य लाहिड़ी ने हाल ही में कहा है, 'हर साल भारत की श्रम शक्ति में 80 लाख से एक करोड़ तक नए श्रमिक जुड़ते हैं। एक दशक तक यह गति जारी रहेगी। इन नए श्रमिकों में से अधिकांश हाई स्कूल या बेहतर शैक्षणिक योग्यताओं से लैस होकर आ रहे हैं। इसलिए उनकी अपेक्षाएं आनुपातिक रूप से ज्यादा हैं और भारत की उपलब्धि के अंततः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के सामान्य राष्ट्रीय आख्यान से और ज्यादा उत्साहित हैं।'पर आकांक्षाएं हमेशा जमीनी वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। लाहिड़ी के मुताबिक, 'असली समस्या कौशल की कमी की है। इस समय भारत करीब 22 लाख ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और पीएच.डी. धारक पैदा करता है। दुर्भाग्य से उनमें से अधिकांश प्रशिक्षण पाने के बावजूद रोजगार के लिए अयोग्य हैं। कुशल श्रमिकों का एक समूह तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता होगी, ताकि उन्हें इन उच्च मानव पूंजी के क्षेत्रों में अच्छे वेतन की नौकरी मिल सके।'हाल के वर्षों में युवाओं को हुनरमंद बनाने और उनका कौशल बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। डिजिटल इंडिया पहल के तहत भी कई कार्यक्रम चल रहे हैं। लाखों युवा अब डिजिटल रूप से अधिक समझदार व शिक्षित हैं, पर देश के विभिन्न हिस्सों में अंतर बना हुआ है। जैसे, उत्तरी और दक्षिणी राज्यों और पुरुषों एवं महिलाओं के बीच भारी असमानता है। लाखों भारतीय अब भी स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते।मई, 2023 तक देश में साइबर सुरक्षा पेशेवरों के लिए 40,000 रिक्तियां थीं, पर भारतीय भर्ती और मानव संसाधन सेवा कंपनी टीमलीज सर्विसेज की सहायक कंपनी टीमलीज डिजिटल के अनुसार, कौशल की भारी कमी के कारण इनमें से 30 फीसदी रिक्तियां भरी नहीं जा सकीं। पिछले वर्ष मार्च में सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी मल्टीपल इंडिकेटर सर्वे के अनुसार, भारत को सूचना एवं संचार तकनीक (आईसीटी) से संबंधित कुशल पेशवरों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। 11,63,416 लोगों के सैंपल पर आधारित इस डाटा से पता चला कि सभी आयु समूहों में महिलाओं की तुलना में पुरुषों के पास आईसीटी कौशल अधिक है।सर्वे में शामिल 15 से 29 वर्ष के आयु के और केवल 27 फीसदी लोगों ने कहा कि वे दस्तावेज, तस्वीर और वीडियो के साथ ईमेल भेजना जानते हैं। यदि आप इसे राज्यवार देखें, तो तमिलनाडु में 47.1 फीसदी ग्रामीण युवा यह कर सकते हैं, जबकि बिहार में मात्र 17.8 फीसदी। विशेष प्रोग्रामिंग भाषा का उपयोग कर कंप्यूटर प्रोग्राम तैयार करने वालों का प्रतिशत कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में ज्यादा है।

हिन्दी का वैश्विक आयाम और हमारी सरकार

आज के समय में हिन्दी का दायरा 132 से भी अधिक देशों में फैला हुआ है और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जब से अपने कार्यों और अनिवार्य संदेशों को हिन्दी में प्रेषित करने की घोषणा की, हम हिन्दी भाषियों के आत्मविश्वास ने एक नया आसमान छूना शुरू कर दिया।भारत विविधताओं से परिपूर्ण देश है। हमने पूरी दुनिया को 'अनेकता में एकता' का एक अभूतपूर्व संदेश दिया है। आज विश्व में हमारी एक अनोखी सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान है। हमारी यह विविधता हमारी भाषाओं और बोलियों में भी झलकती है। हमारे देश के लोग अपनी सुविधा और संस्कृति के अनुसार अपनी भाषा का चयन करते हैं, लेकिन इन भाषाओं में हिन्दी सर्वोपरि है।हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो न केवल हमारे देश के आधे से ज्यादा भू-भाग को जोड़ती है, बल्कि यह पूरे विश्व में फैले भारतवासियों को भी एकसूत्र में पिरोने का काम करती है। हिन्दी के इन्हीं महत्वों और उपलब्धियों को देखते हुए, हम हर वर्ष 10 जनवरी को ङ्खविश्व हिन्दी दिवसङ्घ के रूप में मनाते हैं, जिसका आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा किया जाता है।हिन्दी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का एक अभिन्न अंग है। विश्व हिन्दी दिवस हमें हिन्दी के प्रति अपने समर्पण को बढ़ाने का एक महान अवसर प्रदान करता है। दरअसल, यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि आज हिन्दी पूरे विश्व में अपना पैर पसारती जा रही है। अनेकानेक देशों में हिन्दी अच्छी तरह बोली जा रही है और कई देशों की संपर्क भाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो चुकी है, जो हमारे लिए गर्व का विषय है। हालांकि, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी की यात्रा अत्यंत कठिन रही है। राजनीतिक कारणों के कारण हमारी प्यारी हिन्दी, राष्ट्रभाषा का दर्जा हासिल नहीं कर पाई, लेकिन बीते 9 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में हिन्दी ने वैश्विक स्तर पर एक नई ऊंचाई को हासिल किया है।आज के समय में हिन्दी का दायरा 132 से भी अधिक देशों में फैला हुआ है और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जब से अपने कार्यों और अनिवार्य संदेशों को हिन्दी में प्रेषित करने की घोषणा की, हम हिन्दी भाषियों के आत्मविश्वास ने एक नया आसमान छूना शुरू कर दिया।आज के समय में हिन्दी को सामान्य जनामानस के अलावा, सरकारी विभागों, मण्डलों और समितियों में भी बढ़ावा देने के लिए गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग द्वारा अथक प्रयास किए जा रहे हैं-बहरहाल, भारत प्राचीन काल से ही विविध भाषाओं का देश रहा है और आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। 'हिन्दी' ने हमारे इस लोकतांत्रिक व्यवस्था को एक-सूत्र में पिरोने का महान कार्य किया है। इसने हमारे विविध क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के अलावा, कई वैश्विक भाषाओं के साथ घुल-मिल कर पूरे विश्व में अपनी एक अनूठी पहचान बनाई है। हिन्दी ने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी एक 'संवाद भाषा' के तौर पर समाज को पुनर्जागृत करने में एक उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इतिहास साक्षी है कि हमारे देश में 'स्वराज' प्राप्ति और 'स्वभाषा' के आन्दोलन एक साथ चले।हालांकि, हिन्दी के प्रति सम्मान और इसके प्रसार को बढ़ावा कुछ लोगों को रास नहीं आता है। उन्हें लगता है कि हम आधुनिकता केवल अंग्रेजियत से हासिल कर सकते हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि किसी भी समाज में मौलिक और सृजनात्मक अभिव्यक्ति को केवल और केवल अपनी भाषा के माध्यम से ही विकसित किया जा सकता है। यह एक शाश्वत सत्य है कि हमारी अपनी मातृभाषा में भी हमारी उन्नति का मूल छिपा हुआ है। हमारी भाषाएं, हमारी बोलियां, हमारी अमूल्य विरासत हैं। यदि हमें आगे बढ़ना है, तो इसे हमें साथ लेकर चलना ही होगा। इसी संकल्प के साथ बीते 9 वर्षों के दौरान भारत सरकार ने हिन्दी समेत सभी भारतीय भाषाओं के वैश्विक प्रचार-प्रसार के लिए आधुनिक तकनीक के माध्यम से सार्वजनिक, प्रशासन, शिक्षा और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाने का प्रयास किया है। हमें इस वास्तविकता को समझना होगा कि आज जब हमने स्वंय को वर्ष 2047 तक एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए 'पंच प्रण' का संकल्प लिया है, तो ऐसे में यह निश्चित है कि हिन्दी हमारे पारंपरिक ज्ञान, ऐतिहासिक मूल्यों और आधुनिक प्रगति के बीच, एक महान सेतु की भूमिका निभाएगी इसलिए हमें हिन्दी भाषा को अपनी पूरी शक्ति के साथ प्रचारित और प्रसारित करने की आवश्यकता है।यह देखना सुखद है कि हर वर्ष हिन्दी दिवस का आयोजन वैश्विक स्तर पर घटित हो रहा है। साथ-साथ यह समय की महती मांग भी है कि हम विश्व के जन-जन तक हिन्दी को प्रचारित और प्रसारित करने के लिए एक आंदोलन के रूप में हिंदी दिवस को एकजुट होकर सफल बनाएं।हमें हिन्दी दिवस पर विश्व के वैसे सभी देशों में विविध प्रकार के आयोजनों को शामिल करना होगा, जहां भारतवंशी जहां अधिकाधिक हैं साथ ही, हमें आज लॉर्ड मैकाले द्वारा भारत पर थोपी गई उस शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने की भी आवश्यकता है, जो सामाजिक और सांस्कृतिक विरासतों को सदियों से धूल-धूसरित कर रहे हैं। इसके लिए हमें एकजुट होकर हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के उत्थान और विकास के लिए एक जन-आंदोलन को अंज़ाम देते हुए, अंग्रेज़ियत से मुक्त पाने की कोशिश करने होगी, क्योंकि एक विदेशी भाषा को अंगीकार कर हम चाहें जितनी भी आर्थिक प्रगति कर लें, लेकिन सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता हमें अपनी भाषाओं से ही हासिल हो सकती है। अंत में, मैं समस्त भारतवासियों को विश्व हिन्दी दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का संदेश देते थे स्वामी विवेकानंद

देह काम वसूलने के लिए है। देह चमकाकर रुई में सुरक्षित सजाने के लिए थोड़े ही है। ये नई बात थी। सन्यासी फुटबॉल खेल रहे हैं- ये बिलकुल नई बात थी। नहीं तो बूढ़े भारत की बूढ़ी मान्यता तो ये रही थी कि सन्यासी अगर किसी को खेलते हुए देखें, तो कहें, आज ये खेल रहे हैं, कल काल इनके साथ खेलेगा बच्चा।देखो, किताबी ज्ञान देने वाले तो हमेशा से बहुत रहे हैं। स्वामी विवेकानंद अनूठे हैं उस आदर्श से जो उन्होंने जी कर प्रस्तुत किया। बहुत कम तुमने साधु-संत, सन्यासी देखे होंगे, जो इतने सुगठित-सुडौल शरीर के हों जितने विवेकानंद थे। खेल की, कसरत की उनकी दिनचर्या में बंधी हुई जगह थी, और यही नहीं कि सिर्फ व्यक्तिगत रूप से खेलते थे; अपने साथियों को भी कहें कि- आवश्यक है, व्यायाम आवश्यक है।अब इस बात को समझना; सूक्ष्म है। एक ओर तो शरीर को बनाकर रखना है, और दूसरी ओर शरीर से चिपक भी नहीं जाना है- जैसे शरीर एक उपकरण है, एक संसाधन है; इस्तेमाल करना है उसका। लेकिन जिस चीज का इस्तेमाल करना है, उसको इस्तेमाल करने के लिए ही सही, स्वस्थ और मजबूत तो रखोगे न तो मजबूत तो इसको रखना है।उन्होंने कहा, मजबूत रखना है, लेकिन इससे पहचान नहीं बांध लेनी है। जब मौका आएगा, इसको हंसते-हंसते त्याग भी देंगे और शरीर की जितनी हम सेवा कर रहे हैं, जितना इसको तेल पिला रहे हैं, जितना इसको व्यायाम दे रहे हैं, इससे दूना इससे काम लेंगे। तो देह, ये मत सोचना कि मैं तेरा सत्कार भर कर रहा हूं। देह की सेवा बिलकुल

करेंगे; उसे अच्छा भोजन देंगे, मांसपेशियों को ताकत से भरपूर रखेंगे, और ये सब करके तुझसे काम वसूलेंगे।देह काम वसूलने के लिए है। देह चमकाकर रुई में सुरक्षित सजाने के लिए थोड़े ही है। ये नई बात थी। सन्यासी फुटबॉल खेल रहे हैं- ये बिलकुल नई बात थी। नहीं तो बूढ़े भारत की बूढ़ी मान्यता तो ये रही थी कि सन्यासी अगर किसी को खेलते हुए देखें, तो कहें, आज ये खेल रहे हैं, कल काल इनके साथ खेलेगा बच्चा। तो इस ढहते हुए देश के ढहते हुए अध्यात्म में स्वामी विवेकानंद ने एक ताक़त भर दी - स्ट्रेंथ इज़ लाइफ, वीकनेस इज़ डेथ (शक्ति जीवन है, निर्बलता मृत्यु है)।सुनने में साधारण सी बात है, पर बहुत-बहुत कीमती और प्रासंगिक बात है, क्योंकि बहुत पुराना है भारत; इतना पुराना होता गया, होता गया, वृद्ध ही हो गया, जर-जर ही हो गया; ताकत को, स्ट्रेंथ को बिलकुल भूल ही गया। उस वृद्ध भारत में नए प्राणों का संचार करा स्वामी विवेकानंद ने।उन्होंने जीवन से जो क्रान्तिकारी आदर्श प्रस्तुत करा है, उसको देखिए। उनको एक स्वामी मात्र की तरह मत देखिए, या उनको एक वक्ता या लेखक मात्र की तरह मत देखिए। स्वामी विवेकानंद को आप बहुत ज्यादा उनके कृतित्त्व से नहीं जान पाएंगे। आप कहें, मैं उनकी राज योग पर या कर्म योग पर किताबें पढ़ लूंगा तो मुझे पता चल जाएगा कि स्वामी विवेकानंद कौन थे, तो बात बनेगी नहीं। आपको उस इंसान की जिंदगी को देखना पड़ेगा - बड़ा खूबसूरत, जवान आदमी था। और जब आप उसकी जिंदगी को करीब जाकर देखेंगे, प्यार हो जाएगा आपको; बिलकुल मुरीद हो जाएंगे, फैन। क्योंकि योग इत्यादि की बातें तो बहुतों ने करी, स्वामी विवेकानंद ने भी करी, आज भी न जाने कितने लोग कर रहे हैं।बातों की हिन्दुस्तान में कब कमी रही है बातें करने वाले तो बहुत हैं, करके दिखाने वाले लोग कम रहे हैं।

इस वर्ष भी जारी रह सकते हैं अच्छे नतीजे, अनुकूल हैं राजनीतिक और आर्थिक हालात

भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष भी पिछले वर्ष के अच्छे परिणामों को जारी रख सकती है, क्योंकि देश को राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक नीति की स्थिरता और चीन की प्लस वन रणनीति का लाभ मिल रहा है। हालांकि भू-राजनीतिक कारणों और बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मंदी के जोखिम का असर भारत पर भी कमोबेश पड़ सकता है। वर्ष 2024 भारतीय अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार और रुपये के लिए एक और अच्छा साल साबित होने वाला है। घरेलू और वैश्विक, दोनों स्तर पर सभी कारक भारत के लिए सकारात्मक हैं। दुनिया भर में 70 से ज्यादा देशों में इस वर्ष चुनाव होने वाले हैं, इसलिए काफी राजनीतिक सरगर्मी और संभावित बदलाव देखने को मिलेंगे। हालांकि दुनिया को वर्ष 2024 में मंदी की आशंका है, पर ज्यादातर देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं में तेज सुधार और मंदी से बचने की उम्मीद कर रहे हैं। इस वर्ष वैश्विक विकास दर दो फीसदी के करीब रहने का अनुमान है। भारत में सबसे अधिक वृद्धि दर रहने की उम्मीद है, वास्तविक विकास के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 फीसदी वृद्धि दर का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

मानीताऊ कम्पनी में समझौते के बाद उत्पादन कार्य शुरू

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा गैर कानूनी तरीके से नौकरी से निकाले जाने के विरोध में शांतिपूर्ण चल रहे धरना पर बैठे मजदूरों व सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा के ऊपर मैसर्स- मानिताऊ इक्यूपमेंट इण्डिया प्रा0लि0, प्लाट नं0-22 उधोग विहार, ग्रेटर नोएडा के प्रबंधन, ठेकेदार और बाहरी गुंडो ने लाठी डंडों से हमला कर दिया। जिसमें मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा बुरी तरह चोटिल हो गए। जैसे ही हमले की सूचना कर्मचारियों को मिली वैसे ही सभी कर्मचारी काम छोड़ कर कारखाना परिसर में ही धरने पर बैठ गए और कंपनी के बाहर गेट पर नौकरी से निकाले गए श्रमिक व सीटू के कार्यकर्ताओं अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। मजदूरों के आंदोलन का किसान सभा व जनवादी महिला समिति व अन्य ट्रेड यूनियनों के कार्यकर्ताओं ने समर्थन में हिस्सा लिया। कंपनी को चलाने के लिए श्रम विभाग व पुलिस के अधिकारी कई दिन से प्रयास कर रहे थे और कल देर शाम तक चली वार्ता में एडिशनल लेबर कमिश्नर, डीसीपी,एसीपी व नगर मजिस्ट्रेट की मध्यस्थता में समझौता संपन्न होने के उपरान्त आज 12 जनवरी 2024 को 9:00 बजे से कंपनी में विधिवत उत्पादन कार्य शुरू हो गया। समझौते में पूर्व में निकाले गए दो कर्मचारियों को 31 जनवरी से कार्य पर लेने और 03 जनवरी 2024 को नौकरी से निकले गए संविदा कर्मचारियों पर 15 जनवरी को वार्ता कर निर्णय लिया जाएगा। सीटू जिला महासचिव रामसागर ने जानकारी देते हुए बताया, कि यह समझौता सिर्फ कंपनी को चालू करने के सवाल पर किया गया है क्योंकि लंबे समय तक कंपनी का बंद रहना किसी के भी पक्ष में नहीं था और यह कर्मचारियों के एकताबद्ध संघर्ष की जीत है, लेकिन 4 जनवरी 2024 की घटना के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होने तक हमारा संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और 17 जनवरी 2024 को जिलाधिकारी गौतम बुध नगर कार्यालय सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा पर बड़ा प्रदर्शन कर पुनः प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जायेगा। क्योंकि 6 जनवरी 2024 को पुलिस आयुक्त कार्यालय सूरजपुर पर प्रदर्शन किया गया। उक्त संयुक्त प्रदर्शन के दौरान पुलिस के अधिकारियों द्वारा दोषियों पर दर्ज केस में धाराएं बढ़ाकर कार्रवाई करने और घटना के समय मौजूद पुलिस कर्मियों को भी दंडित करने का आश्वासन दिया गया था उक्त पर अभी तक क्या कार्यवाही हुई है, से अवगत नही कराया गया है।

ग्लोबल टाक सीरीज का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा मे स्थित जीएलबीआईएमआर कॉलेज में

ठमार्केटिंग में उभरते रुझान- एआई, एमएल और मेटावर्सठ विषय पर एक दिवसीय ग्लोबल टॉक सीरीज़ का आयोजन किया गया। सम्मलेन में रबात बिजनेस स्कूल, मोरक्को के मार्केटिंग प्रोफेसर डॉ. विकास आर्य ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में विशेषज्ञता, मशीन लर्निंग (एमएल) मेटावर्स और गतिशील विपणन परिदृश्य पर मूल्यवान विचार प्रदान किये।डॉ. आर्य ने नवीनतम रुझानों और प्रगति पर प्रकाश डालते हुए मार्केटिंग रणनीतियों में एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। अन्य वक्ताओं ने चर्चा में एआई और एमएल के निर्बाध एकीकरण के साथ-साथ मेटावर्स को नेविगेट करने की बारीकियों पर चर्चा की। जिससे उपस्थित विद्वानों को विपणन के भविष्य को आकार देने वाले अत्याधुनिक विकास की गहन समझ प्राप्त हुई। दिन के इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र में अनेक सवालों पर चर्चा हुई जिससे प्रतिभागियों को एआई में उभरते रुझानों के साथ समकालीन परिप्रेक्ष्य को जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया।विभाग की निदेशक डॉद सपना राकेश ने सभागार को संबोधित करते हुए कहा कि इस ग्लोबल टॉक सीरीज़ ने ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य किया, जिससे उपस्थित लोगों को विपणन परिदृश्य को आकार देने और एआई की महत्वपूर्ण भूमिका की जटिलताओं का पता लगाने में मदद मिली। अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को संगोष्ठी में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

पुलिस अधिकारियों को बदमाशों के खिलाफ़ सख्त से सख्त कार्यवाही किए जाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। कासना निवासी सुखपाल गौतम की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसे लेकर पीड़ित परिवार ने अंतिम

संस्कार करने के लिए मना कर दिया था और बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने के बाद ही अंतिम संस्कार करने के लिए तैयार थे, लेकिन आज प्रातः 10:00 बजे जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कासना में मृतक के परिवार से मुलाकात की और और बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश निर्गत किए और सरकार की तरफ से पीड़ित परिवार की हर संभव सहायता दिलवाए जाने के साथ साथ पीड़ित परिवार को सुरक्षा का प्रबंध भी किए जाने को लेकर आश्वास्त कि जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि मैं और मेरी सरकार मृतक के परिवार के साथ खड़े हैं।

पुष्कल गुप्ता बने मण्डल उपाध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही बीजेपी ने अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए अनेक पदाधिकारीयों की घोषणा की है। इसी क्रम में नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने सैनिक विहार मण्डल के अध्यक्ष के बाद अब उपाध्यक्ष की घोषणा की है।नोएडा के सदरपुर कॉलोनी से पुष्कल गुप्ता को सैनिक विहार मंडल का उपाध्यक्ष बनाया है। मण्डल उपाध्यक्ष बनने के बाद उनके निवास पर बधाई देने वालो का तांता लग गया।पुष्कल गुप्ता ने कहा कि सरकार की हर जनकल्याणी योजना को जन जन तक पहुचाने का कार्य करेंगे व पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है उसे बखूबी निभाएंगे।उन्होने जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता,मण्डल अध्यक्ष प्रदीप चौहान का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता,जिला महामंत्री उमेश त्यागी,गणेश जाटव,जिला उपाध्यक्ष महेश आवाना, गिरिजा सिंह,उमेश पहलवान,मंडल अध्यक्ष प्रदीप चौहान आदि लोग मौजूद रहे।

सखीबहिनपा मैथिलानी समूह द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा रामलला के आगमन की खुशी में मैथिलानियों की संस्था सखी बहिनपा मैथिलानी समूह दिल्ली एनसीआर की महिलाओं द्वारा मेघदूतम पार्क नोयडा में रामलला की झांकी निकाली गयी और दीप प्रज्वलित किया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय प्रभारी श्रीमती गिननि झा की देखरेख में संपनन् हुआ ।कार्यक्रम में सखीबहिनपा मैथिलानी समूह की उपाध्यक्ष श्रीमती छाया झा, उप- उपाध्यक्ष श्रीमती सान्त्वना मिश्रा एवं स्थानीय महासचिव श्रीमती हेमा झा भी उपस्थित थी। कार्यक्रम की शुरुआत एक वर्कशाप के माध्यम से की गई। जिसमें श्रीमती प्रभा झा ने उपस्थित लोगों को टोपी और मोजे बनाना सिखाया। तत्पश्चात 2बजे दिन में शोभा यात्रा और झांकी निकाल कर दीप प्रज्वलित किया गया।अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावे विद्यापति के गीतों की एक प्रतियोगिता भी इसमें रखी गई थी सखीबहिनपा की संस्थापिका श्रीमती आरती झा द्वारा सभी उपस्थित सखियों का

उत्साहवर्धन किया गया। समूह की मुख्य कार्यकर्ता रीना झा,रजनी झा, स्वाती झा,भारती चौधरी, मधुलता मिश्रा एवं रेखा ठाकुर ने भी कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया।नोएडा इकाई की कार्य कर्ता सरिता मिश्रा ,अर्चनाभूषण, अनुपम झा ,सुनिता मिश्रा , मनोरमा झा ,प्रभा झा आदिने मिलकर कार्य कर्म की देख रेख की । जैसा हम जानते है कि मां जानकी मिथिला की बेटी हैं एवं भगवान रामचंद्र जी की ससुराल है ।अतः राम मंदिर को बनने को लेकर मिथिला वासियों में अति उत्साह है,जिसे वे विभिनन् तरीकों से प्रदर्शित भी कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर की सखी बहिनपा समूह की सखियों का उत्साह भी इसको लेकर देखने योग्य था।

पंजाबी विकास मंच ने धूमधाम से लोहड़ी पर्व मनाया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । कम्युनिटी सेंटर सेक्टर-56, नोएडा में पंजाबी विकास मंच द्वारा नोएडा-स्तर पर 8 वाँ लोहड़ी का सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम अपने पंजाबी समाज को

नई ऊर्जा प्रवाहित करने के लिए घूम घाम से मनाया जिसमें रंगारंग कार्यक्रम के साथ साथ भांगड़ा, गिदा और पंजाबी गाने व कविता गाए गए जिसमें लोगों ने संगीत व ढोल पर डांस भी किया। इस कार्यक्रम में पंजाबी समाज ने बढ़चढ कर भाग लिया व तक़रीबन 500 से अधिक पंजाबी लोगों ने सहयोग देकर व उपस्थित होकर इसकी शोभा बड़ाई। इस आयोजन में नोएडा के गणमान्य पंजाबियों के साथ साथ सभी संरक्षक , पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य परिवार सहित सम्मिलित हुए। माननीय अतिथियों में सर्वश्री डॉ सुशील चौधरी (सपत्नी) चेयरमैन आई केयर हॉस्पिटल), नवाब सिंह नागर दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री, विकास गुप्ता दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री भाजपा से,महेश आर्य पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता सपा से, पंकज अवाना प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा आप पार्टी से, राम कुमार तवर महानगर अध्यक्ष कांग्रेस फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, कक के जैन, जी ऐस सचदेवा, संजय मावी, अध्यक्ष 56 व उनकी टीम का स्वागत मंच पर पंजाबी विकास मंच के संरक्षकों व चेयरमैन दीपक विग और प्रधान जी0के0 बंसल द्वारा गुलदस्ते व शाल भेंट कर किया गया। अतिथियों ने पंजाबी समाज की अपनी परंपराओं को जीवन्त रखने में इस महत्व पूर्ण योगदान की भूरी भूरी प्रशंसा की। आज के कार्य क्रम में पंजाबी विकास मंच ने पंजाबी रत्न की उपाधि देने की एक नई महत्वपूर्ण पहल की और अपने पंजाबी समाज के दो विशिष्ट पंजाब्बियों को जिन्होंने पंजाबी समाज की परम्परा के अनुसार समाज के हर वर्ग के लिए उत्कर्ष योगदान दिया है उन्हें ङ्कपंजाबी रत्न ङ्क की उपाधि देकर सम्मानित किया।दीपक विगके अतिरिक्त हमारे पंजाबी समाज में और कोई दूसरा व्यक्ति नहीं जिसका नोएडा और एनसीआर में पंजाबियत को जिंदा रखने व संगठित करने में कोई विकल्प हो, इस लिए पहला ङ्कपंजाबी रत्नङ्क दीपक विग को प्रदान किया गया।आज से वह ङ्कपंजाबी रत्न दीपक विगङ्क कहलाये जाएँगे। दूसरा ङ्कपंजाबी रत्नङ्क पंजाबी विकास मंच ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के ग़रीब लोगों को निशुल्क दृष्टि प्रदान करने वाले हमारे पंजाबी डॉक्टर सुशील चौधरी, चेयरमैन आईकेयर हॉस्पिटल को प्रदान किया। समाज की इस भाँति सेवा करने का शायद ही कई दूसरा उदाहरण हो। आज से हम उन्हें पंजाबी रत्न डॉ सुशील चौधरी के नाम से ही संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता पंजाबी रत्न दीपक विग (चेयरमैन - पंजाबी विकास मंच) ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की पंजाबी कोई जाति नहीं है, वरन 10,000 साल पुरानी संस्कृति है ।

सिकंदराबाद में खुला पांचवा नमो सेवा केंद्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। टीबी मरीजों को निक्षय पोषण योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण व पौष्टिक आहार के लिए उपचार के दौरान (छह माह) हर महीने मिलने वाली राशि अब पांच की जगह दो किस्तों में मिलेगी। टीबी से पीड़ित व्यक्ति को उपचार शुरू होने पर दी जाने वाली पहली लाभ राशि को 1500 रुपये करने का निर्णय लिया गया है, इसके बाद दूसरा लाभ उपचार शुरू होने की तारीख से 84 दिन (उपचार के तीन महीने) पूरे होने पर (1500 रुपये) मिलेगा। यह व्यवस्था जनवरी 2024 से लागू कर दी गई है। यह जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. आर.पी. सिंह ने अपर सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक एल.एस.चांगसन के पत्र के हवाले से दी।उन्होंने बताया- अपर सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक एल.एस.चांगसन ने इस संबंध में दिशा निर्देश जारी किये हैं। मिशन निदेशक की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि- भारत सरकार 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले, 2025 तक टीबी को समाप्त करने के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) संचालित कर रही है। एनटीईपी ने विभिन्न उपाय किए हैं, जिसमें वर्ष 2025 तक टीबी को खत्म करने की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करना है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) जिसमें निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई) के तहत अधिसूचित सभी टीबी रोगियों को उपचार की पूरी अवधि के लिए 500 रुपये प्रति माह का लाभ प्रदान किया जाता है। वर्तमान में टीबी मरीज को निक्षय पोषण योजना के तहत 1000 रुपये का पहला लाभ डीबीटी के माध्यम से दिया जाता है। इसके बाद 500 रुपये का दूसरा लाभ टीबी उपचार की तारीख से 56 दिन पूरे होने पर दिया जाता है। शुरुआत के अवधि के लिए 500 रुपये प्रति माह की कुल पात्रता समान रहेगी। संशोधित लाभ सभी टीबी रोगियों के लिए लागू किया जाएगाजिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया- टीबी मरीज को उपचार के दौरान पौष्टिक आहार

बाद उपचार अवधि के हर महीने के लिए 500 रुपये का लाभ मिलता है। टीबी से पीड़ित व्यक्ति का उपचार शुरू होने पर दी जाने वाली पहली लाभ राशि को 1500 रुपये करने का निर्णय लिया गया है, इसके बाद दूसरे लाभ के रूप में 1500 रुपये उपचार शुरू होने की तारीख से 84 दिन पूरे होने पर दिये जाएंगे। यह परिवर्तन प्रभावी रूप से पांच सौ रुपये की मौजूदा पांच किस्तों (औसतन छह महीने के उपचार के लिए दिये जाने वाले तीन हजार रुपये) को घटाकर दो किस्तों में कर दिया गया है। इससे फील्ड कर्मचारियों का बोझ कम हो जाएगा। हालांकि निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी से पीड़ित व्यक्ति को उपचार की कुल की जरूरत होती है। दवा के साथ - साथ पौष्टिक आहार मिलने से टीबी मरीज की रिकवरी जल्दी होती है। सरकार इसके लिए मरीज को उपचार चलने तक हर माह पांच सौ रुपये प्रदान करती है। यह राशि मरीज के खाते में सीधे भेजी जाती है। आमतौर पर छह माह के उपचार से टीबी मरीज ठीक हो जाता है। औसतन एक मरीज को तीन हजार रुपये उपचार के दौरान पांच किस्तों (एक हजार पहली किस्त के रूप में उसके बाद पांच-पांच सौ रुपये चार बार) में मिलते थे। सरकार ने अब इस राशि को दो किस्तों में देने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा सरकार के इस निर्णय से मरीजों को लाभ मिलेगा।

15 मिनट में तय होगी 2 घंटे की दूरी, पीएम मोदी ने किया 'अटल सेतु' का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)
मुम्बई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नासिक और मुंबई दौरे पर हैं। अपनी

यात्रा में पीएम मोदी ने सबसे पहले नासिक के कालाराम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद पीएम ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया।महाराष्ट्र दौरे पर आए पीएम मोदी ने सबसे पहले नासिक के कालाराम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद पीएम ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया।इससे पहले पीएम ने नासिक में रोड शो किया और उनके साथ सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम अजित पवार भी शामिल दिखे।इसके बाद पीएम ने मुंबई का मेकओवर करने वाले भारत के सबसे लंबे माने जाने वाले सागरीय पुल मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक- एमटीएचएल (अटल सेतु) का उद्घाटन भी किया।

जमालपुर गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के जेवर के ग्राम जमालपुर जेवर में आयोजित "विकसित भारत संकल्प यात्रा" में डा. महेष शर्मा, माननीय सांसद गौतमबुद्धनगर एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार ने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी गणों, कार्यकर्ताओं तथा प्रिय क्षेत्रवासियों एवं लाभार्थी के साथ सम्मिलित हम सभी अपने-अपने घरों में भी 5-5 दीये जलाकर भगवान श्रीराम के आगमन की खुषियां मनाये।माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं उ0 प्र0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी डबल इंजन की सरकार के द्वारा जितने भी विकास कार्य एवं योजनाएं लाई गई है उन सबका लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसलिये सभी से संपर्क करके इस योजनाओं

होकर केन्द्र सरकार एवं प्रदेष सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिनन् कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।उसके उपरान्त "सांसद आपके द्वार" कार्यक्रमों में जेवर विधानसभा के ग्राम मोहम्मदपुर खेडा, भाईपुर, सिरौली, तकीपुर, मेंहदीपुर खादर, चक जलालाबाद में सांसद क्षेत्र की जनता के साथ संवाद किया और उनकी समस्याओं को भी सुना। कुछ समस्याओं का निदान तत्काल अधिकारियों को बताया एव उसको जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देष दिये। साथ ही आने वाली 22 जनवरी 2024 को अयोध्या भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जा रहा है उस दिन के बारे जानकारी ली जा रही है। सांसद जी द्वारा कराये गये विकास कार्यो की भी जानकारी ली। 14 जनवरी 2024 से 22 जनवरी 2024 तक सभी कार्यक्रमो को करते हुए साथ ही मंदिर एवं देवालयों में स्वच्छता अभियान का भी कार्यक्रम किया जायेंगा। इस कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रतिनिधि सतपाल तालान, पंकज कौषिक, धर्मेन्द्र भाटी, राहुल पंडित, नरेष त्यागी, चैधरी उदयवीर सिंह, मण्डल अध्यक्ष रबूपुरा, विकास चैरोली, सुनील कुमार, प्रकाष, मनीराम शर्मा, भोलू शर्मा, अषोक शर्मा पूर्व मण्डल अध्यक्ष, गुडडू वकील, भारी संख्या में उपस्थित रहे।

हनुमाकोंडा में बीएससी एग्रीकल्चर की छात्रा ने फांसी लगाकर की कथित आत्महत्या, मामले की जांच में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
हैदराबाद। तेलंगाना के हनुमाकोंडा में शुक्रवार (12 जनवरी) को एक निजी कॉलेज की बीएससी एग्रीकल्चर की छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई। कथित तौर पर युवा छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।तेलंगाना के हनुमाकोंडा में शुक्रवार को एक निजी कॉलेज की बीएससी एग्रीकल्चर की छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई। कथित तौर पर युवा छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के पीछे का मकसद फिलहाल स्पष्ट नहीं है। हसनपर्थी पुलिस स्टेशन ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। सब इंस्पेक्टर टी गोपी घटना की जांच कर रहे हैं।आत्महत्या के पीछे का मकसद फिलहाल स्पष्ट नहीं है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, हसनपर्थी पुलिस स्टेशन ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर टी गोपी कर रहे हैं।

ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट ने गरीब बच्चों के साथ लोहड़ी पर्व मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा सेक्टर 5, गरीब बच्चों में शिक्षा की लो जला रही है। ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट , ऋषि की पाठशाला आज ट्रस्ट की बच्चों के साथ त्योहार मनाती हैं। आज लोहड़ी पर भी इन बच्चों के बीच मनाकर काफी सुकून मिला है। एवं जरूरतमंद सभी बच्चों को गिफ्ट में वस्त्र वितरण किए गए।सभी

संस्थापक भारती नेगी के नेतृत्व में गरीब व जरूरतमंद बच्चों के साथ लोहड़ी का पर्व मनाया गया।इसी उद्देश्य से संस्था की संस्थापक भारती नेगी हमेशा अनाथ व गरीब बच्चों ने मूंगफली रेबड़ी गजक, पोपन आदि का आनंद लिया।संस्थापक, भारती नेगी ने कहा खुशियां हमेशा बाटनी चाहिए इससे खुशी दुगनी हो जाती है।

सेक्टर 51 में पंजाबी एकता समिति द्वारा लोहड़ी पर्व मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा पंजाबी एकता समिति

द्वारा गुरूवार को लोहड़ी का पर्व वेडिंग विला, सैक्टर 51, नोएडा में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें शहर के सभी पंजाबी परिवार एवं काफी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। गौतमबुद्धनगर सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार डा. महेश शर्मा, राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त कैप्टन विकास गुप्ता जी, राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त नवाब सिंह नागर , उ0प्र0 महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम , पूर्व सी.ई.ओ. रिटायर्ड बलबिन्दर कुमार, एन.ई.ए. अध्यक्ष विपिन मल्हन एवं शहर के कई सम्मानित अतिथि उपस्थित हुए। सभी ने लोहड़ी के पावन पर्व पर पंजाबी एकता समिति के सदस्यों ने सभी को लख-लख बधाई दी एवं आए हुए अतिथियों को फूल की माला पहनाकर एवं मोमेन्टों देकर अभिनंदन व स्वागत किया। आये हुए सभी अतिथियों ने पंजाबी परिवार के द्वारा कराये गये आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि आज यह संगम लोहड़ी के पावन पर्व पर पूरे शहर के पंजाबी परिवारों का दिख रहा है। संगीतकार हरलीन सिंह, धीरज भंडारी पॉप स्टार के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच लोगो ने गीत-संगीत व ढोल नगाडो की थाप पर जमकर भांगडा किया एवं उपस्थित लोगो ने मूंगफली, गज्जक, रेवडी का आनंद उठाते हुए एक दूसरे के गले मिलकर लोहडी की शुभकामनाएं दी।सांसद डा. महेश शर्मा से इस लोहड़ी के पावन पर्व की शुरुआत की और कहा कि लोहडी का पर्व एक ऐसा पर्व है जो भारत ही नहीं दुनिया के 20 से अधिक देषो में मनाया जाता है यह पर्व भारत की परंपराओं और सभ्यताओं का मलिाजुला रूप है जिसमें धरती माता का सम्मान और प्रकृति की उदारता को नमन किया जाता है । भारत एक कृषि प्रधान देष है। लोहडी के पर्व की सीधा संबंध हमारे खेतो से है एव नई फसल की पूजा की जाती है।

इंटेंस ट्रेनिंग-प्रोपर डाइट, ऋतिक रोशन ने कड़ी मेहनत कर बनाई 'फाइटर' के लिए बॉडी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म 'फाइटर' कुछ ही दिनों में रिलीज होने के लिए तैयार है। कुछ दिनों पहले इस फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। टीजर देखने के बाद से ही फैंस अब इस मूवी के आने का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म फाइटर को बड़े पर्दे पर आने

में अब बस कुछ ही दिन रह गए हैं। दोनों स्टार्स के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान ऋतिक रोशन के ट्रेनर ने फाइटर के लिए उनके आहार और कठिन वर्कआउट रूटीन का खुलासा किया है।दोनों पहली बार किसी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। ऐसे में उनके बीच शानदार केमिस्ट्री देखने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में, ऋतिक रोशन के ट्रेनर ने 'फाइटर' के लिए उनके आहार और कठिन वर्कआउट रूटीन का खुलासा किया है।हाल ही में, इंडिया टुडे के साथ एक इंटरव्यू में, ऋतिक रोशन के फिटनेस ट्रेनर क्रिस गेथिन ने फिल्म 'फाइटर' के लिए अभिनेता के बदलाव को बढ़ावा देने वाले कठिन आहार के बारे में विस्तार से बताया है। ट्रेनर पर अभिनेता ने अपने सोने के समय को अनुशासित बनाए रखा। ऋतिक रात को 9 बजे तक सो जाते थे'।ट्रेनर क्रिस ने इस बारे में बात करते बताया कि ऋतिक बॉडी बिल्डिंग स्टाइल का डाइट फॉलो करते थे। वह हर दिन लगभग 6 से 7 बार खाना खाते। खाने में मुख्य रूप से चिकन, अंडे की सफेदी, मट्ठा प्रोटीन, मछली जैसे के साथ-साथ जई, क्विनोआ, चावल और शकरकंद जैसे जटिल कार्बोहाइड्रेट के स्रोत शामिल थे'।सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण के अलावा अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख और तलत अजीज ने भी महत्वपूर्ण किरदार निभाए हैं। यह मूवी 25 जनवरी को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

12 फेल मे ही नहीं, पुलिस पर बनीं ये फिल्में भी शानदार, कहानियां और किरदार हैं बेमिसाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली ।साल 2023 में अक्टूबर के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 12 फेल ने बॉक्स ऑफिस पर भले ही 100 करोड़ की कमाई न की हो, लेकिन मूवी को हर किसी से सराहना मिली है।विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी मूवी 12 फेल इस वक्त हर किसी का दिल जीत रही है। ये फिल्म आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा की जिंदगी और उनके संघर्षों पर आधारित फिल्में हैं। वैसे हिंदी सिनेमा में 60-70 के दशक से ही पुलिस पर आधारित फिल्में बन रही हैं लेकिन वक्त के साथ उनको बनाने का तरीका बदल गया है।विधु विनोद चोपड़ा ने इस फिल्म के जरिये दुनिया के सामने आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा की असल जिंदगी की कहानी को रखा और खास बात ये है कि इस कहानी से हर किसी ने खुद को पूरी तरह कनेक्ट किया। आम जनता से लेकर सितारों तक ने 12प् फेल की तारीफों के पुल बांधे हैं।विधु विनोद चोपड़ा ने विक्रांत मैसी स्टारर इस कहानी को बनाते हुए इस बात का खास ख्याल रखा कि लोगों तक मनोज कुमार शर्मा की सिर्फ संघर्ष की कहानी ही नहीं पहुंचे, बल्कि एक आईपीएस ऑफिसर की ड्यूटी से लेकर उनके द्वारा जो भी प्रोटोकॉल फॉलो किये जाते हैं, उन्हें भी बड़ी संजीदगी से दर्शाया।12 फेल तो एक लेटेस्ट उदाहरण है, लेकिन हिंदी सिनेमा में पुलिस पर आधारित फिल्में 60-70 के दशक से बनती आई हैं। हालांकि, वक्त के साथ मेकर्स इस बात को लेकर काफी सजग हो गए कि वह जब भी असल जिंदगी के किरदार पर कोई कहानी बनाए, तो दर्शकों तक उनका सही मैसेज पहुंचे।कई फिल्में असल जिंदगी के पुलिस अधिकारियों पर बनी, तो वहीं कुछ उनसे प्रेरित हुईं। चलिए जानते हैं कि वक्त के साथ पुलिस के किरदार के साथ-साथ उनके ऊपर फिल्माई गई फिल्मों में क्या-क्या बदलाव आए।60-70 और 90 के दशक में भी पुलिस पर आधारित कई फिल्में बनी। प्राण जैसे कई बड़े सितारों ने पुलिस का किरदार अदा किया। हालांकि, इस बीच कई चीजों को लेकर मेकर्स ने लापरवाही बरती। पहले की अधिकतर फिल्मों में एक एक्टर को सिर्फ पुलिस वर्दी पहनाई जाती थी, लेकिन उनकी जॉब से जुड़ी छोटी-छोटी चीजों का ध्यान नहीं रखा जाता था ।जैसे कि उनके बढ़े हुए बाल और उनकी पुलिस वर्दी पर स्टार्स, या फिर उनकी बेल्ट और बंदूक। मेकर्स बस इस चीज पर

फोकस करते थे कि फिल्म में वह किरदार कौन- सा एक्टर निभा रहा है। इन फिल्मों में जंजीर, अर्ध सत्य, सरफरोश, खाकी जैसी कई फिल्में शामिल हैं।पुलिस अधिकारी हो या आर्मी मैन या फिर एयरफोर्स पायलट ये हमारे देश की शान हैं, ऐसे में वक्त के साथ इन पुलिस अधिकारियों के हावभाव से लेकर उनके पहनावे और प्रोटोकॉल पर मेकर्स ने ध्यान देना शुरू किया और वैसे ही अपनी फिल्मों के जरिये उनके किरदारों को सही से लोगों को दर्शाया।साल 1999 में रिलीज हुई मनोज बाजपेयी स्टारर फिल्म 'शूल' में इस बात का पूरा ध्यान रखते हुए पुलिस की ड्यूटी से लेकर असल जिंदगी में जिस तरह से उनके प्रोटोकॉल हैं, उसे वैसे ही फिल्मी पर्दे पर उतारा गया।

केजीएफ स्टार यश ने रोकी 'टॉक्सिक' की शूटिंग क्या फिल्म की रिलीज में होगी देरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । कन्नड़ सुपरस्टार यश 'केजीएफ' और 'केजीएफ चैप्टर 2' जैसी फिल्में करने के बाद इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम बन गए हैं। आज उनके फैंस सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मौजूद हैं। कुछ दिनों पहले 8 जनवरी को अभिनेता ने अपना

38वां जन्मदिन मनाया, लेकिन उस दिन एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो गई। अब ऐसा बताया जा रहा है उस घटना की वजह से उन्हें अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' की शूटिंग स्थगित करनी पड़ी।साउथ सुपरस्टार यश जल्द गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म टॉक्सिक में नजर आने वाले हैं। जब से इस मूवी का एलान हुआ है यश के फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। हालांकि अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि अभिनेता ने फैंस के साथ उनके जन्मदिन पर हादसे के बाद कुछ समय के लिए इस फिल्म की शूटिंग को स्थगित कर दिया है।न्यूज 18 की एक खबर के अनुसार, यश को अपने जन्मदिन पर हुई फैंस की मौत के बाद अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' की शूटिंग स्थगित करनी पड़ी। एक्टर ने यह निर्णय तब लिया, जब कर्नाटक में उनके जन्मदिन के बैनर लगाते समय उनके तीन फैंस की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई।

एक रात की कहानी को विजय और कटरीना ने किया रोशन, क्या उम्मीदों पर खरे उतरे श्रीराम

(आधुनिक समाचार सेवा)
मुम्बई । फिल्म अंधाधुन की अपार सफलता के करीब पांच साल बाद लेखक और निर्देशक श्रीराम राघवन मैरी क्रिसमस लाए हैं। उनकी फिल्म की खासियत उसमें ट्विस्ट और टर्न्स और चुटीले संवाद होते है श्रीराम राघवन अंधाधुन के बाद मैरी क्रिसमस लेकर आये हैं। फिल्म पिछले साल दिसम्बर में रिलीज होने वाली थी मगर एनिमल और सैम बहादुर से क्लैश के चलते टाल दी गई। 2024 की यह पहली उल्लेखनीय फिल्म है। कटरीना कैफ और विजय सेतुपति की जोड़ी इसका प्रमुख आकर्षण है लेकिन क्या श्रीराम उम्मीदों पर खरे उतरे। पढ़ें रिव्यू।अपनी उस शैली को उन्होंने यहां पर भी कायम रखा है। शीर्षक के अनुरूप मैरी क्रिसमस की कहानी क्रिसमस की रात की है। यानी यह सिर्फ एक रात की कहानी है। हालांकि, इसे श्रीराम की सर्वश्रेष्ठ फिल्म नहीं कहा जा सकता।कहानी तब की है, जब मुंबई 'बंबई' हुआ करती थी। यानी पिछली सदी के आठवें दशक की जब मोबाइल फोन ना होकर टेलीफोन बूथ हुआ करते थे। फिल्म का आरम्भ दो अजनबी मारिया (कटरीना कैफ) और अल्बर्ट (विजय सेतुपति) के एकसाथ फुटपाथ पर बातचीत से होता है।अल्बर्ट की गोद में मारिया की बेटी होती है। मारिया अपनी शादीशुदा जिंदगी से नाखुश हैं। वहां से उनके मुलाकात की परतें खुलती हैं। करीब सात साल बाद अल्बर्ट दुबई से अपने घर लौटा है। उसकी मां गुजर चुकी है। वह क्रिसमस की रात घूमने निकलता है, पर पुलिस को देखकर सहम जाता है।इस दौरान दोनों एक रेस्तरां में मिलते हैं। फिर नाटकीय घटनाक्रम में एनी की मदद के लिए अल्बर्ट उसे घर छोड़ने आता है। फिर बेटी को सुलाकर वे बाहर घूमने निकलते हैं। लौटने पर एनी पाती है कि उसके पति ने सुसाइड किया है। वहां से कहानी मोड़ लेती है।यह फिल्म फ्रेडरिक दा के लिखे फ्रेंच उपन्यास ला मोंटे चार्ज पर आधारित है। श्रीराम राघवन, अरिजीत बिस्वास, पूजा लाधा सुरती और अनुकृति पांडे द्वारा लिखी पटकथा का तानाबना जटिल नहीं है।यह काफी सहज और आसान है। हालांकि, आजकल जहां कहानियां तेज रफ्तार से आगे

बढ़ती हैं, वहीं श्रीराम राघवन पहले ही फ्रेम से दर्शकों को सावधान की मुद्रा में बैठा देते हैं। वह शुरुआत में कौतूहल बनाए रखने के लिए टर्न्स और ट्विस्ट लगातार बने रहते हैं।उन्होंने अल्बर्ट के अतीत को रहस्यमयी बनाकर रखा है। वह अपने किरदारों को खुलने का समय देते हैं। यहां पर उनका सिग्नेचर स्टाइल दिखता है। पिछली फिल्मों की तरह पुरानी फिल्मों का नास्टेल्जिया है। रेलवे स्टेशन पर वेइंग मशीन से टिकट निकलना उस पर राजेश खन्ना की तस्वीर दूसरी ओर कोई दिलचस्प कथन।उस दौर के लोगों के बचपन की यादों को ताजा करेगा। श्रीराम दो नीरस लोगों की बातचीत में चुटीले संवादों से माहौल को हल्?का फुल्का बनाए रखते हैं। हालांकि, मध्यांतर से पहले कहानी थोड़ा खिंची लगती है। अल्बर्ट के अतीत से जुड़े कुछ सवाल अनुत्तरित रह जाते हैं।हत्या की जांच को लेकर पुलिस का पक्ष भी कमजोर है। हत?या की रात जब मारिया घर में रुकने की बात कहती है तो किसी पुलिसकर्मी की घर पर तैनाती क्यों नहीं होती, यह जानने के बावजूद कि मां बेटी घर में अकेली हैं। फिल्म के क्लाइमैक्स पर लेखन स्तर पर और काम करने की जरूरत थी। श्रीराम और उनके लेखकों ने उसे प्रायोगिक बनाया, पर वह प्रभावी नहीं बन पाया है।बहरहाल, फिल्म का आकर्षण कटरीना और विजय सेतुपति की जोड़ी है। दोनों पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर एक साथ नजर आए हैं। अल्बर्ट की भूमिका में विजय सेतुपति ने लेखक-निर्देशक श्रीराम राघवन की कल्पना को शिद्दत के साथ पर्दे पर उतारा है। उन्होंने रघु के बदलते भावों को व्यक्त करने में अच्छी-खासी मेहनत की है।डांस के एक दृश्य में विजय लुभाते हैं। इस फिल्म से कटरीना की कोशिश अपनी छवि बदलने की रही है। उसमें वह खरी उतरी हैं। संजय कपूर अपनी संक्षिप्त भूमिका में प्रभाव छोड़ते हैं। मेहमान भूमिका में अश्विनी कालसेकर खास तड़का लगाती हैं। वह अपनी भूमिका में याद रह जाती हैं। हालांकि, फिल्म का गीत संगीत खास प्रभावशाली नहीं बन पाया है।

पति विक्की कौशल ने किया कटरीना कैफ की फिल्म का रिव्यू, विजय सेतुपति को देख कही ये बात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली ।कटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी

क्रिसमस' आज 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म को सभी से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अब अपनी पत्नी और एक्ट्रेस कटरीना की यह फिल्म देखने के बाद अभिनेता विक्की कौशल भी पूरी तरह आश्चर्यचकित हो गए हैं।श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी फिल्म मैरी क्रिसमस आज बड़े पर्दे पर आ गई है। इस मूवी में पहली बार कटरीना कैफ और साउथ सुपरस्टार एक साथ काम करते हुए दिख रहे हैं। फैंस भी लंबे समय से इस मूवी का इंतजार कर रहे थे जो आज खत्म हो गया। अब इस मूवी को लेकर विक्की कौशल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।विक्की कौशल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा नोट लिख कर अपनी पत्नी और एक्ट्रेस कटरीना की उनके अब तक के बेस्ट काम के लिए उनकी तारीफ की है।विक्की कौशल ने 'मैरी क्रिसमस' सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद अब सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर इसका रिव्यू शेयर किया है और कैट की तारीफ की है। विक्की ने इस पोस्ट में एक्ट्रेस को 'लव' कहकर संबोधित किया है। एक्टर ने पोस्ट में लिखा 'मैरी क्रिसमस सबको। आप पर बहुत गर्व है 'लव' कि आपने कितनी खूबसूरती से श्रीराम सर की उत्कृष्ट कहानी और 'मारिया' की जटिलताओं के सामने खुद को समर्पित कर दिया है। उसका कच्चापन, उसका रहस्य, उसका जादू... सब कुछ इतनी ईमानदारी और बारीकियों के साथ किया है और वो डांस...उफ्फ। यह वास्तव में आपका अब तक का सबसे अच्छा काम है'।इसके आगे विक्की कौशल ने विजय सेतुपति के बारे में लिखा 'सर...पता नहीं आप अपने किरदारों में बच्चों जैसी मासूमियत कैसे लाते हैं, लेकिन आपको अल्बर्ट को जीवंत करते हुए देखना बेहद खुशी की बात है'। इसके साथ ही अभिनेता ने 'मैरी क्रिसमस' की कास्ट को टैग करते हुए लिखा 'आप लोग कैसे लोगों को फिल्म देखने के दौरान झूमने पर मजबूर कर देंगे, खासकर वह अंत'।

टॉप 5 में जगह बनाने से चूका ये कंटेस्टेंट, फिनाले से पहले सलमान खान के शो से हुआ बाहर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली ।'बिग बॉस 17 फिनाले के करीब पहुंच गया है। बस कुछ दिनों में शो को अपना विनर मिलने वाला है। इस बीच एक कंटेस्टेंट घर से बेघर हो गया है। फिनाले के इतने करीब आकर इस खिलाड़ी को बिग बॉस 17 से अलविदा लेना पड़ा।अंकिता लोखंडे और ईशा मालवीय को छोड़कर इस हफ्ते पूरा घर नॉमिनेट हो गया था। कुछ कंटेस्टेंट्स पर नॉमिनेशन से बुरी तरह इफेक्ट हुए और घर में जमकर लड़ाई- झगड़े किए। वहीं अब बिग बॉस 17 से इस बार एलिमिनेट हुए कंटेस्टेंट के नाम का खुलासा हो गया जो विक्की जैन के लिए बैड न्यूज लेकर आई।बिग बॉस 17 में इस हफ्ते 7 कंटेस्टेंट्स एलिमिनेट होने के लिए नॉमिनेट हुए थे। इनमें विक्की जैन, अभिषेक कुमार, आयशा खान, मनारा चोपड़ा, मुनव्वर फारूकी, अरुण माशेट्टी और समर्थ जुरेल का नाम शामिल है।अंकिता लोखंडे और ईशा मालवीय को छोड़कर इस हफ्ते पूरा घर नॉमिनेट हो गया था। कुछ कंटेस्टेंट्स पर नॉमिनेशन से बुरी तरह इफेक्ट हुए और घर में जमकर लड़ाई- झगड़े किए। वहीं, अब बिग बॉस 17 से इस बार एलिमिनेट हुए कंटेस्टेंट के नाम का खुलासा हो गया।बिग बॉस 17 से जुड़ी अपडेट खबर शेयर करने वाले एक फैन पेज ने एविक्शन की जानकारी दी है। खबर के अनुसार, इस हफ्ते बिग बॉस 17 से समर्थ जुरेल का सफर खत्म हो गया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी आधिकारिक घोषणा करना बाकी है।समर्थ जुरेल, बिग बॉस 17 में वाइल्ड कार्ड बनकर आए थे। उनकी एंट्री ने शो में खूब तहलका मचाया था।

दरअसल, ईशा मालवीय और उनके एक्स ब्वॉयफ्रेंड के बीच एक बार फिर नजदीकियां बढ़ रही थीं। तभी मेकर्स शो में ईशा के करेंट ब्वॉयफ्रेंड समर्थ जुरेल लेकर आए। शुरुआत में ईशा ने समर्थ को अपना ब्वॉयफ्रेंड मानने से भी मना कर दिया था। हालांकि, बाद में उन्होंने एक्सेप्ट कर लिया।समर्थ जुरेल की बिग बॉस 17 में ईशा मालवीय के बाद विक्की जैन से अच्छी बॉन्डिंग थी। दोनों घर में अक्सर साथ में दिखते थे।

करीना कपूर खान फिल्म 'टॉक्सिक' में निभाएंगी लीड रोल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली ।'केजीएफ चैप्टर 1' और 'केजीएफ चैप्टर 2' से अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता 'यश' जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में दिखाई देने वाले की घोषणा की थी। इस फिल्म में भी उनका दमदार अंदाज देखने को मिलने वाला है। ऐसे में फैंस लगातार यह जानना चाह रहे थे कि यश के साथ इस मूवी में एक्ट्रेस कौन नजर आने वाली दिनों में घोषणा कर सकते हैं। इसके साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग भी कुछ ही हफ्तों में शुरू होगी। दिसंबर में ही एक शॉर्ट वीडियो जारी किया गया था, जिसमें यश

हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने पिछले साल 2023 में दिसंबर के महीने में इसके टाइटल का खुलासा करते हुए दी थी। अब फिल्म में 'यश' के विपरीत एक्ट्रेस के नाम पर चर्चा की जा रही है। ऐसे में इसके लिए बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर का नाम सामने आ रहा है।कन्नड़ के सुपरस्टार यश केजीएफ जैसी फिल्में करने के बाद अब फिर से धमाका करने आ रहे हैं। पिछले साल ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक हैं।दरअसल, इंडिया टुडे और फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह बताया गया कि करीना, यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' में उनके साथ अभिनय करने के लिए तैयार हैं। अगर यह बात सच होती है, तो ऐसा पहली बार होगा जब करीना और यश एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे और एक्ट्रेस का कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू होगा। खबरों के अनुसार, 'टॉक्सिक' के निर्देशक गीतू मोहनदास इस बारे में आने वाले के किरदार की पहली झलक भी देखने को मिली थी।यश स्टारर यह मूवी सिनेमाघरों में अगले साल 10-4-2025 में रिलीज होगी। फैंस कन्नड़ के रॉकिंग स्टार यश की इस फिल्म का फर्स्ट लुक देखने के बाद से ही काफी एक्साइटेड हो गए हैं ।

रंग दे बसंती से लेकर 12वीं फेल तक, एंटरटेनमेंट के साथ एजुकेट भी करती हैं ये फिल्में

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । फिल्में और सीरीज आम आदमी की जिंदगी का एक आम हिस्सा बन चुकी हैं। पॉलिटिक्स हो या फिर कॉमेडी या

फिर हिंदी फिल्मों के जरिये थिएटर में जा रहे दर्शकों को एजुकेट करना, हर तरह की मूवी इंडियन सिनेमा में बनती आई है।स्वामी विवेकानंद जयंती के खास मौके पर पूरे देशभर में 12 जनवरी को नेशनल यूथ डे मनाया जा रहा है। इंडियन फिल्म सिनेमा में भी कई ऐसी शानदार फिल्में बनी हैं जो फैंस का भरपूर मनोरंजन तो करती ही हैं लेकिन इसी के साथ वह थिएटर में फिल्म देखने आई ऑडियंस को पूरी तरह एजुकेट भी करती हैं।फिल्मों ने बच्चों से लेकर यूथ और बुजुर्गों हर किसी पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। 12 जनवरी को हर साल यूथ डे मनाया जाता है। आपको बता दें कि इस दिन स्वामी विवेकानंद का जन्म हुआ था, जिनके विचारों का यूथ पर एक गहरा प्रभाव रहा है। स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में हर साल मनाया जाता है।जिस तरह से स्वामी विवेकानंद के विचारों ने हमेशा युवाओं को सही राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है, ठीक उसी तरह से बॉलीवुड में भी कई फिल्में हैं, जिन्होंने अपनी कहानी से सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन ही नहीं किया है, बल्कि उन्हें एजुकेट करते हुए उनको एक सही दिशा की तरफ बढ़ाया।स्वामी विवेकानंद जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस के खास मौके पर चलिए जानते हैं कि कौन-कौन सी फिल्मों ने लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें शिक्षित भी किया।आमिर खान और शरमन जोशी स्टारर फिल्म 'रंग दे बसंती' हिंदी सिनेमा की यादगार फिल्मों में से एक हैं। राकेश ओम प्रकाश मेहरा ने इस फिल्म से लोगों को एंटरटेन किया ही, लेकिन इसके साथ ही वह इस फिल्म के साथ लोगों को शिक्षित भी कर गए।रंग दे बसंती पांच ऐसे दोस्तों की कहानी है, जो एकदम अलग स्वभाव के हैं, लेकिन करप्शन की सच्चाई खोलने के लिए वह भगत सिंह और राजगुरु जैसे क्रांतिकारियों का रास्ता अपनाते हैं। आमिर खान स्टारर इस फिल्म में इस बात का पूरा ध्यान रखा गया था कि यूथ इस फिल्म से बोर ना हो, लेकिन दर्शकों तक एक सॉलिड मैसेज जरूर पहुंचे।विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म फेल का नाम हर किसी की जुबान पर है। इस फिल्म के जरिये विधु विनोद चोपड़ा ने लोगों को आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा की सच्ची कहानी दर्शायी थी।

जैमी ने अपनी पहली तेलुगु फिल्म को दादी को किया समर्पित

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली ।वर्तमान में हिंदी सिनेमा के साथ-साथ तमिल और तेलुगु जैसे क्षेत्रीय सिनेमा भी देशव्यापी लोकप्रियता बटोर रही है। अब कई हिंदी सिनेमा के सितारे भी दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम कर रहे हैं। हाउसफुल 4 और भूत पुलिस फिल्मों की अभिनेत्री तथा कामेडियन जॉनी लीवर की बेटी जैमी लीवर भी अपनी पहली तेलुगु फिल्म को लेकर उत्साहित है।जैमी का कहना है कि आ ओकाड्डी अडक्कु के साथ तेलुगु सिनेमा में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। यह फिल्म मेरे लिए न सिर्फ पेशेवर तौर पर विशेष है बल्कि यह मेरे जड़ों से जुड़ी फिल्म है। तेलुगु मेरी मातृभाषा है। इस भाषा की

पहली फिल्म मैं अपनी दादी को समर्पित करती हूं जो हमारी इस मातृभाषा को ज्यादा अच्छी तरह से समझती हैं।जैमी आ ओकाड्डी अडक्कु से तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। चूंकि तेलुगु जैमी की मातृभाषा है, इसलिए वह इस फिल्म को अपनी दादी के समर्पित कर रही हैं। उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में यह फिल्म साइन की थी और दिसंबर में इस फिल्म की शूटिंग पूरी की है।अपनी पहली तेलुगु फिल्म को लेकर जैमी का कहना है कि आ ओकाड्डी अडक्कु के साथ तेलुगु सिनेमा में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। यह फिल्म मेरे लिए न सिर्फ पेशेवर तौर पर विशेष है, बल्कि यह मेरे जड़ों से जुड़ी फिल्म है। तेलुगु मेरी मातृभाषा है। इस भाषा को पहली फिल्म मैं अपनी दादी को समर्पित करती हूं, जो हमारी इस मातृभाषा को ज्यादा अच्छी तरह से समझती हैं और इसमें सहज हैं।आगे बोलीं कि सिनेमा के माध्यम से अपनी जड़ों से जुड़कर मैं स्वयं को भाग्यशाली मानती हूं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।